भाद्रपद कृष्ण पक्ष-12, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 145 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

09 नवम्बर 2023 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

32 अधिकतम

19 न्यूनतम

Page- 7

पीएम की तीन, राहुल प्रियंका की पांच सभा व रोड शो

मोदी: मैंने मप्र को अंधेरे कुएं से निकाला, प्रियंका: उन्हें कोई सिलेंडर का भाव बताए

भोपाल/सतना,दोपहर मेट्रो।

मप्र में आज चुनाव घमासान का नया नजारा दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह सतना में सभा की तो करीब ही चित्रकूट में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की सभा हुई। यह दोनों नेता कल भी मप्र के दौरे पर थे। मगर आज कांग्रेस ने डबल अटैक का प्लान बनाया है,क्योंकि राहुल गांधी भी मप्र के तीन जिलों में हैं। दोनों तरफ से आरोपों के जबर्दस्त तीर चल रहे हैं। पीएम मोदी आज छतरपुर व नीमच में भी सभा करने पहुंच रहे हैं,जबकि प्रियंका गांधी आज रीवा में दूसरी सभा कर रही हैं। राहुल गांधी मप्र में अशोकनगर व चंदेरी में सभा के बाद जबलपुर में बड़ा रोड शो करने वाले हैं।

इस बार दिलचस्प है मप्र का चुनाव: मोदी

सतना की सभा में पीएम मोदी ने कहा- मैंने राजनीकि जीवन में कई चुनाव देखे हैं। मगर इस बार बड़ा दिलचस्प चुनाव है। मप्र का भविष्य लोगों के हाथ है। मतदान के पहले कांग्रेस के झूठ के गुब्बरे की हवा निकल गई है और वह अब लड़खडा रहा है। कांग्रेसी भी अब सिर्फ शोर ही शोर मचा रहे हैं। कांग्रेस के पास विकास का कोई रोडमैप नहीं है और कांग्रेस के थकेहारे लोगों में मप्र के युवाओं को अपना भविष्य नहीं दिखता। जबकि लोगों को मोदी गारंटी पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि यहां भाजपा की सरकार को केंद्र की कांग्रेस सरकार ने रोडे अटकाए थे और काम नहीं करने दिया। जब 2014 से भाजपा की केंद्र सरकार बनी तो मप्र को अंधेरे कुएं से बाहर निकाला। मोदी ने वादा किया कि समाज के हर वर्ग को उसका हक मिलेगा। जैसे ही भाजपा की सरकार यहां लौटेगी, पीएम आवास का काम शुरू कर दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक दूसरे के कपड़े फाड़ रही है।

मैं भी प्रधानमंत्री की बेटी हूं: प्रियंका

चित्रकूट की सभा में प्रियंका गांधी ने भी भाजपा व मोदी पर परोक्ष व अपरोक्ष तौर पर कई हमले किये। उन्होंने कहा कि मैं भी प्रधानमंत्री की बेटी और पोती हूं, कांग्रेस ने हमेशा आपके अधिकारों की बात की है। हमने कभी नहीं कहा कि हमने ये आपको दान दिया है। हमने आपको आपका अधिकार दिया है। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि पुराना संसद भवन चल रहा था, इसके सौंदर्यीकरण पर पीएम मोदी ने 20 हजार करोड़ खर्च किए, लेकिन किसानों को बकाया पैसे नहीं दिए। मोदी कहते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया तो मोदी अपने बिजनेसमैन मित्रों का क्या दे रहे हैं। क्या मोदी को कोई जानकारी देगा कि 12 सौ 14 सौ में सिलेंडर खरीद रहे हैं। वही मप्र जब शिवराज से लोग कहते हैं कि समस्या है तो शिवराज कहते हैं कि मैं आपका मामा हूं घबराओ मत। किसान को यूरिया नहीं मिल रहा है वो कहते हैं मामा हूं। प्रियंका ने कहा कि हमें भारी बहुमत से जिताओ ताकि हमारी सरकार को कोई चोरी न कर पाए। आपको फकीरों और मामा से छुटकारा मिले।

आज भाजपा ब्रिगेड के दौरे: भाजपा का वरिष्ठ नेतृत्व आज कमोबेश पूरे प्रदेश के दौरे पर है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सुसनेर, गुना, शिवपुरी, दतिया, ग्वालियर, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल रतलाम, झाबुआ, असम के मुख्यमंत्री श्री हेमंता बिस्वा सरमा राजगढ, नरसिंहगढ, भोपाल दक्षिण पश्चिम, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा छतरपुर, केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण भोपाल, ज्योतिरादित्य सिंधिया खण्डवा, धार, देवास, रायसेन, भोपाल उत्तर की विधानसभाओं में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

कांग्रेस का पूरा नेतृत्व मप्र में

चुनाव प्रचार समाप्त होने से पहले मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कमलनाथ की 33 सभाएं और रोड शो कराने का मेगाप्लान तैयार कर लियलिया है इनमें राहुल गांधी 11 कार्यक्रम में, प्रियंका गांधी 4 में और खड़गे 5 कार्यक्रम तथा कमलनाथ 13 चुनावी सभा कार्यक्रम में शामिल होंगे। राहुल गांधी मप्र में आठ जनसभाएं व दो रोड शो और एक कॉर्नर मीटिंग करेंगे। वे आज अशोक नगर और चंदेरी में जनसभा कर रहे हैं जबकि दोपहर बाद जबलपुर में उनका रोड शो है। इसके बाद कल 10 नवंबर को वे सतना और राजपुर में जनसभा करेंगे। 13 नवंबर जावद और टिमरनी विधानसभा में जनसभा तथा भोपाल में रोड शो व एक सभा भी आयोजित की गई है ।फिर राहुल 14 नवंबर को विदिशा और खरगापुर में जनसभा करने आ रहे हैं। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 14 नवंबर को सेवड़ा और श्योपुर में जनसभा करेंगे,फिर 15 नवंबर को आमला और बैरसिया भोपाल में सभा करेंगे। जबकि प्रियंका गांधी आज चित्रकूट और रीवा में जनसभा के बाद 15 नवंबर को दतिया और सिन्हावल में जनसभा को संबोधित करेंगी।

कृत्रिम बारिश भी 20 नवंबर के बाद ही संभव

जहरीली हवाओं के बीच ही मनेगी दिल्ली की दिवाली

नई दिल्ली , एजेंसी।

हर साल की तरह इस बार भी दिल्ली-एनसीआर के लोग भीषण प्रदूषण का सामना कर रहे हैं। यहां हवा की गुणवत्ता लगातार गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। माना जा रहा है कि दिल्लीवालों की दिवाली और छठ भी इसी तरह जहरीली हवा के बीच मनेगी। इसकी वजह ये है कि दिल्ली सरकार ने अब तक प्रदूषण से निपटने के लिए जो भी कदम उठाए हैं, वह नाकाफी साबित हो रहे हैं। इसके अलावा ऑड ईवन भी ठंडे बस्ते में चला गया है। दिल्ली सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के बाद इस पर फैसला लिया जाएगा।

केजरीवाल सरकार अब प्रदूषण के लिए क्लाउड सीडिंग के जरिए कृत्रिम बारिश कराने का प्लान तो बना रही है. लेकिन उसके लिए 20-21 नवंबर तक का इंतजार करना पड़ेगा। प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने 13 नवंबर से 20 नवंबर तक ऑड ईवन लागू करने का ऐलान किया था. लेकिन दिल्ली सरकार ने बुधवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा ऑड ईवन की प्रभावशीलता की समीक्षा किए जाने के बाद इसे लागू किया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने उठाए कई कदम

इससे पहले दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली के स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियों का ऐलान कर दिया. दिल्ली में 9 नवंबर से 18 नवंबर तक स्कूल बंद कर दिए गए।

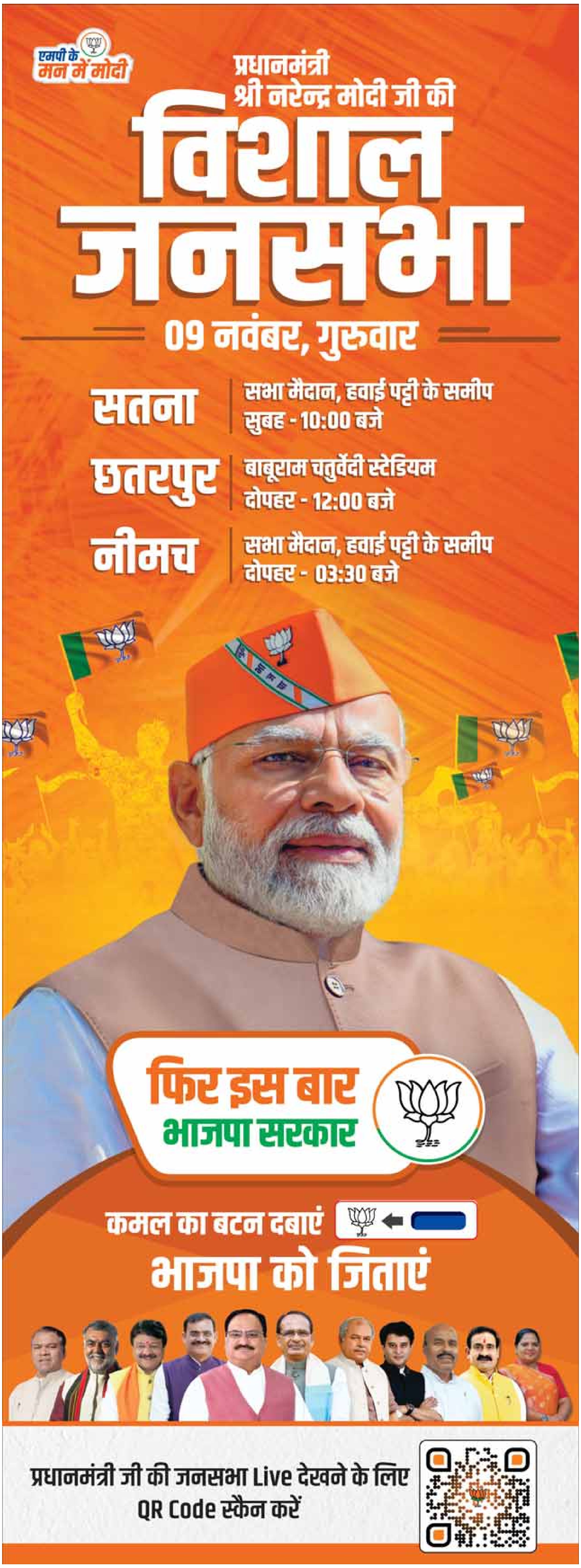

पांच हजार शासकीय सेवकों व 2300 उम्रदराजों ने किया मतदान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग का क्रम जारी है। यह वोटिंग आम मतदाता नहीं, बल्कि शासकीस सेवक और 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाताओं ने की है। शासकीय सेवकों ने सुविधा केंद्रों पर और अधिक उम्र के मतदाताओं ने घर में वोटिंग की है, जिसका आज गुरुवार और कल शुक्रवार को अंतिम दिन रहेगा।

आयोग के अनुसार 80 वर्ष से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं से घर से मतदान कराने की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने 113 टीमें बनाई हैं जो घर पहुंचकर बैलट पेपर से मतदान करवा रही हैं। इसके लिए आज गुरुवार को अंतिम दिन है।

27 हजार मतदाताओं की उम्र 80 वर्ष से अधिक

भोपाल जिले में कुल 27 हजार 89 मतदाता 80 साल से अधिक आयु वर्ग के हैं तो वहीं आठ हजार 47 दिव्यांग मतदाता हैं। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से कुल 2510 ने घर से मतदान की स्वीकृति दी थी। इसके लिए मतदान दलों द्वारा तीन दिन तक घर से मतदान कराया जा रहा है। दो दिन में कुल 2359 मतदाताओं से मतदान करवा लिया गया है।

17 हजार कर्मचारियों की लगाई है ड्यूटी

भोपाल जिले में चुनाव के लिए 17 हजार अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इनमें से अब तक 5 हजार अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सुविधा केंद्रों पर डाक मतपत्र से मतदान किया जा चुका है। जबकि अन्य बचे हुए कर्मचारियों द्वारा अब गुरुवार और शुक्रवार को लाल परेड मैदान पर बनाए गए सुविधान केंद्र पर मतदान किया जाएगा।

आज शाम तक प्रशिक्षण में शामिल नहीं हुए तो होंगे निलंबित

चुनाव ड्यूटी के लिए प्रशिक्षण का गुरुवार को अंतिम दिन चल रहा है। आज शाम तक प्रशिक्षण में नहीं आने वाले कर्मचारियों को निलंबित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण बीते दो दिनों से चल रहा है। जिसमें अलग–अलग चरणों में मास्टर ट्रेनर उन सावधानियों के बारे में बता रहे हैं, जो चुनाव के दौरान बरती जानी है। जिन कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव में लगाई है। उन्हें ईवीएम, माक पोल, मतदान, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक की जानकारी देने के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण रखा गया है। जिसमें लगभग 240 कर्मचारी गायब रहे तो वहीं 153 चुनावी परीक्षा में असफल हो गए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने गायब रहे कर्मचारियों को नोटिस जारी कर गुरुवार को होने वाले प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अंतिम मौका दिया है। यदि वह शामिल नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

इंजीनियरिंग कॉलेजों के बीस कोर्सों में खाली रह गईं 97 हजार सीटें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) की काउंसलिंग प्रक्रिया पर समाप्त हो गई है। यह प्रक्रिया लगभग पांच माह तक चली। इसमें इंजीनियरिंग कॉलेजों में चलने वाले 20 कोर्स में 1.50 लाख स्टूडेंट्स ने एडमिशन लिया है। जबकि करीब 97 हजार सीटें खाली रह गई हैं। इन कॉलेजों में एडमिशन के लिए चलाए गए दो अतिरिक्त सीएलसी राउंड में कोई खास एडमिशन नहीं हुए हैं। सीएलसी राउंड में ऑर्किटेक्ट को एक स्टूडेंट नहीं मिल सके। इसमें बी ऑर्क और एम ऑर्क में अंतिम सीएलसी राउंड में प्रवेश जीरो ही रहा। कॉलेज पसंद न होने एवं मनपसंद ब्रांच में प्रवेश न मिलने के कारण रजिस्ट्रेशन के बाद 4 हजार 742 विद्यार्थी ऐसे भी हैं, जिन्होंने प्रवेश निरस्त कराने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग को आवेदन किया है। बीडिजाइन, एमऑर्क, बीएचएमसीटी, फार्माडी और फार्माडी पीबी ऐसे कोर्स हैं जिनमें प्रवेश की संख्या सैंकड़ा को भी नहीं छू पाई है।

मनपसंद ब्रांच में प्रवेश न मिलने के कारण रजिस्ट्रेशन के बाद 4742 ने छोड़ी सीट

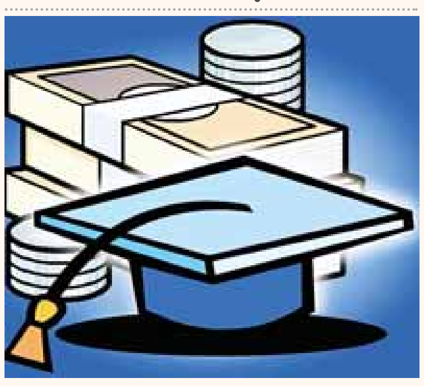

पहले पर एमबीए, दूसरे स्थान पर बीई

डीटीई की काउंसलिंग में एमबीए में सबसे अधिक करीब 44 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। अतिरिक्त सीएलसी राउंड में भी एमबीए सबसे आगे रहा। प्रवेश में दूसरे स्थान पर बीई रहा। इसमें 40,673 एडमिशन हुए हैं। इंजीनियरिंग डिप्लोमा में 19,652 प्रवेश हुए हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विभाग ने प्रवेश के लिए सीएलसी के दो राउंड शुरू किए थे। जिसमें पहले राउंड में कुल 7,582 एवं दूसरे राउंड में 3,020 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।

फार्मेसी में एक बार फिर प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी : फार्मेसी में 21,153 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। वहीं एमफार्मा में 1492 प्रवेश हुए हैं। हालांकि विभाग ने फार्मेसी में दिसंबर में एक बार फिर प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया। इसके बाद विद्यार्थियों की संख्या और भी ब? सकती है। कई नए कॉलेजों को फार्मेसी की मान्यता हाल ही में मिली है। दिसंबर में होने वाली प्रवेश प्रक्रिया में ये कॉलेज भी शामिल होंगे।

भोपाल एम्स के शोध में दावा

पायरिया बीमारी में ब्रांडेड दवाओं से ज्यादा कारगर है देशी उपाय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल एम्स के एक शोध में दावा किया गया है कि मसूड़ों में आने वाली सूजन यानी पायरिया बीमारी में बाजार की ब्रांडेड दवाओं से अधिक कारगर देशी उपाए अर्थात आयुर्वेदिक दवाएं होती हैं। इनके उपयोग से राहत तो मिलती ही है, पायरिया भी ठीक हो जाती है।

ऐसे किया शोध

यह शोध सीनियर चिकित्सा अधिकारी डॉ दानिश, डॉ. आशीष कुमार दीक्षित, डॉ. सना अनवर, डॉ. अंशुल राय, डॉ. केवल कृष्ण ने किया है। इनके द्वारा किया गया शोध पबमेड अनुक्रमित जर्नल आफ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन÷ में प्रकाशित भी हो चुका है।

बताया गया है कि 2004 और 2021 के बीच किए गए 41 विभिन्न नैदानिक परीक्षणों में शामिल 2,806 रोगियों से शोध के लिए जानकारी एकत्रित की गई, जिसमें कई विभिन्नताएं थी। इन परीक्षणों का मकसद मसूड़े की सूजन के प्रबंधन में आयुर्वेदिक और हर्बल दंत उत्पादों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना था, जो लोगों की एक सामान्य मुख स्वास्थ्य संबंधी समस्या है।

प्रमुख निष्कर्षों से पता चलता है कि आयुर्वेदिक और हर्बल दंत उत्पाद मसूड़े की सूजन (पायरिया) के उपचार के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने में अपनी प्रभावी हैं। इन उत्पादों ने प्लाक निर्माण को कम करने, मसूड़ों की सूजन को कम करने और मुख के भीतर बैक्टीरिया की वृद्धि को रोकने में पर्याप्त लाभ दिखाया। यह भी पाया है कि ये उत्पाद उपयोग के लिए सुरक्षित हैं और सामुदायिक दंत चिकित्सा पद्धतियों के लिए अनुशंसित किए जा सकते हैं।

यह भी पाया

- शोध की उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक आयल पूलिंग थेरेपी की पारंपरिक आयुर्वेदिक पद्धति का समर्थन करना है, जिसे आयुर्वेद में 'कंवल' और 'गंडूष' के नाम से जाना जाता है। यह थेरैपी मुख संबंधी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में प्रभावी साबित हुई है।
- शोध में पता लगा है कि पायरिया में कई विशिष्ट आयुर्वेदिक और हर्बल घटकों को भी मुख के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए विशेष रूप से फायदेमंद माना गया है। इनमें त्रिफला, एलोवेरा, नीम, हल्दी, ग्रीन टी, तुलसी आदि शामिल हैं।

सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट ने 500 परिवारों को बांटी दीपोत्सव की सामग्री

हिरदाराम नगर। सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट, सनशाइन ट्रस्ट एवं नारायण सेवा संस्था के संयुक्त तत्वाधान में हर साल की तरह आर्थिक रूप से कमजोर 500 परिवारों के साथ भोजन प्रसाद ग्रहण करना एवं उनको राशन सामग्री,मिठाई, बर्तन, फटाके ,मोमबत्ती आदि उपहार देकर दीपावली की खुशियां उन परिवारों के साथ मानने का कार्य सनशाइन ट्रस्ट एवं नारायण सेवा संस्था द्वारा पिछले 30 वर्षों से किया जा रहा है।

पिछले साल से सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट, के साथ मिलकर एक बड़ा आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 5 नवंबर 2023 को संस्कार स्कूल में आयोजन रखा गया था लेकिन आचार संहिता की वजह के अनुमति न मिलने के कारण राशन सामग्री एवं अन्य सामान सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट, सब्जी मंडी संत हिरदाराम नगर कार्यालय से 500 परिवारों को वितरित किया गया। इस मौके पर सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट के सचिव रामचंद सभनानी, ट्रस्टी नारायणदास सभनानी, अजीत सभनानी, सनशाइन ट्रस्ट के गुरदास रामचंदानी, नारायण सेवा संस्था से जानकीलाल, मोनिका हरचंदानी, विदया किशनानी एवं खिमया पंजवानी, उपस्थित रही।

लायंस क्लब की 'डेयर टू ड्रीम' पीस पोस्टर स्पर्धा

हिरदाराम नगर। लायंस क्लब भोपाल ने पीस पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसका विषय डेयर टू ड्रीम (सपने देखने का साहस) था। भोपाल गर्ल्स स्कूल पंचवटी एयरपोर्ट रोड भोपाल में आयोजित प्रतियोगिता में 100 छात्राओं ने भाग लिया। स्कूल की प्राचार्य जिया मंगलानी लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन लक्ष्मण दास मंधानी, जोन चेयरपर्सन डॉ राहुल भारतीय, सचिव लायन ललित करनानी, कोषाध्यक्ष लायन संदीप भारतीय एवं लायन महेश बजाज लायन मनोहर वासवानी लायन राम लालवानी लायन अनिल तुलसानी आदि उपस्थित थे । क्लब के अध्यक्ष लायन लक्ष्मण दास मंधानी आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर

60 से ज्यादा स्कूलों के 1500 से ज्यादा स्टूडेंट्स स्टेज पर उतरे

एसएचआईएम *जिज्ञासा* में उमंग एवं ऊर्जा का समागम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

प्रतिभाओं के प्रदर्शन के मंच का नाम है एसएचआईएम जिज्ञासा। सातवें वर्ष में प्रवेश करते हुए मेगा फेस्टिवल 'जिज्ञासा - 2023' में विभिन्न रंग बरसे।

एक तरफ डांस कंपटीशन में क्लासिकल डांस पर तालियां बज रही थी, वहीं गिटार पर सभी लोग गुनगुना रहे थे। जहां रंगोली प्रतियोगिताओं में अलग-अलग रंग कई संदेश दे रहे थे, वहीं कोलाज के जरिये प्रतिभागियों ने अपनी क्रिएटिविटी को सामने रखा। निर्णायकों ने जब ग्रुप डांस, रंगोली, कोलाज मेकिंग, टैलेंट हंट, रील मेकिंग, बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट, पेंटिंग, पेपर ड्रेस की सृजनात्मक रचना को सराहा। क्विज कंपटीशन में एक के बाद एक राउंड हुए, टैलेंट हंट में बीट - बॉक्सिंग से स्टैंड-अप कॉमेडी एवं अन्य प्रतिभागी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दिया। जिज्ञासा का स्पेशल परफॉर्मेंस क्रिषानु घोष का बैंड परफॉर्मेंस था। खचाखच भरे हुए ऑडिटोरियम में छात्र -छात्राओं की एनर्जी लेवल देखकर बैंड परफॉर्मेंस टीम ने भी संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में जहां राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूलों ने भाग लिया, वही होशंगाबाद, शुजालपुर, सीहोर, बीना, कुरावर एवं अन्य समीपस्थ जगहों से भी छात्र -छात्राएं आए । वे हुनर के इंद्रधनुषी समागम ÷जिज्ञासा÷ की सुनहरी यादें अपने साथ ले गए हैं।

संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी एवं डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया एवं चैंपियनशिप ट्रॉफी नवनीत हसोमल लखानी पब्लिक स्कूल को प्रदान की।

नवनिध में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवनिध विद्यालय में विद्यार्थी परिषद के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई।

समारोह में शहीद हेमू कलानी एजुकेशनल सोसाइटी के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव ए.सी साधवानी, संस्था के वरिष्ठ सदस्यद घनश्याम बूलचंदानी, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अमृता मोटवानी एवं उप प्राचार्य रेखा केवलानी की मौजूदगी में संघ के पदाधिकारियों ने पद की शपथ ली।

विद्यार्थी परिषद की सदस्य छात्राओं एवं अनुशासन समिति के सदस्यों के नाम की उद्घोषणा के बाद पद अनुसार बैच प्रदान किए गए। अतिथियों ने कहा कि उन्हें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि छात्राएँ अपने उत्तरदायित्व को समर्पण भाव के साथ निभाएँगी एवं ऐसे वातावरण का निर्माण करेंगी।

इलेक्शन डायरी

शर्मा बंधुओं से निजात का रास्ता तलाशते होशंगाबादी

■ राजेश सिरोठिया

पुराना होशंगाबाद यानि अब नए नर्मदापुरम शहर की विधानसभा सीट से शर्मा बंधुओं से निजात की राह तलाशी जा रही है। शर्मा बंधु बाग वालों के नाम से जाने जाते हैं। बड़ा परिवार है। शहर पर दशकों से उनकी सल्तनत चलती आ रही है। वो भी इस कदर कि शहर पर शर्मा बंधुओं के एकाधिकार के खिलाफ जनता और कांग्रेस व भाजपा के एक वर्ग में उठने वाले विरोध के सुर बगावत तक जा पहुंचे हैं। कांग्रेसऔर भाजपा दोनों ने ही इस जंग में आग में घी डालने का काम कर डाला है। भाजपा विधायक रह चुके डॉ. गिरजाशंकर शर्मा को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाकर मैदान मेंम उतार दिया तो भाजपा ने उनके ही भाई और स्पीकर रहे डा. सीताशरण शर्मा को टिकट देकर जंग को घरेलू बना डाला। यानि जीत हार किसी की हो विधायक का ओहदा शर्मा परिवार के आंगन की शोभा बढ़ाएगा। कांग्रेस और भाजपा के खिलाफ उठते कांग्रेस और भाजपा के सुरों को आखिरकार जनता का साथ भी मिल गया और प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराने के लिए भाजपा टिकट के दावेदार भगवती चौरे को लोगों ने निर्दलीय मैदान में उतार दिया। चौरे के पक्ष में भाजपा का स्थानीय संगठन पहले से ही साथ था अब जनदा के साथ कांग्रेस में भी शर्मा विरोधी धड़ा मिल गया है। सागर शहर की सीट पर मौजूदा भापा विधायक शैलेंद्र जैन के खिलाफ कांग्रेस ने उनके अनुज की पत्नी यानि बहु को मैदान में उतारा तो भाजपा ने नर्मदा पुरम की जंग को भाई-भाई के बीच की जंग बना डाला। सागर में तो फैसला कांग्रेस और भाजपा के बीच होना है लेकिन नर्मदापुरम में तो जनता तय करेगी की अगले पांच साल उनके विधायक भगवती चौरे होंगे या फिर शर्मा परिवार के पाले में विधायकी आएगी?

लाड़ली बहनों की धनतेरस और सरकार

विधानसभा चुनावों के मुहाने पर सूबे की शिवराज सरकार ने 1 करोड़ 31 लाख बहनों को हहर महीने 1250 रूपए का जो तोहफा लाड़ली बहना के तहत दिया था, उसकी किश्त इस बार 10 नवंबर यानि धनतेरस के दिन उनके खाते में पहुंच जाएगी। हर महीने दस तारीख को जारी होने वाली यह रकम 12 से 13 तारीख तक लाड़ली बहनों के खाते में पहुंच रही है। लेकिन चुनावी आचार संहिता के बीच कांग्रेसियों के मन में इसके वितरण को लेकर संशय था। लाड़ली बहनों के मन में भी शंका थी, लेकिन सरकार ने उस बार 10 दिसबंर के पहले ही इसके लिए पूर्व से आवंटित रकम को जारी कर दिया ताकि धनतेरस तक बहनों के खातों में त्यौहार को मनाने का मौका मिल सके। *कांग्रेस को भाजपा का यह चौका जब तक समझ में आएगा तब तक दीवाली निकल जाएगी।*

खतरे में सांसदी

नर्मदापुरम-नरसिंहपुर सीट के भाजपा सांसद राव उदय प्रताप सिंह का भविष्य खतरे में पड़ गया है। नरसिंहपुर जिले की गाडरवाड़ा सीट से विधायक चुनाव लडने की उनकी चाहत तो पूरी हो गई है, लेकिन जीतने को लेकर उन्हें अब पसीना आ रहा है। क्षेत्र के लोग कह रहे हैं कि ब्राहमण और कौरव समाज वाले इलाके में जाट समाज के राव उदयप्रताप का भला क्या काम है? मौजूदा कांग्रेसी विधायक सुनीता पटैल को भाजपा टिकट के इच्छादारी कौरव समाज के नेताओं का भी परोक्ष समर्थन मिल रहा है। लोग समाज कर रहे हैं कि भाजपा को यदि टिकट देना ही था तो राव के बजाए कांग्रेस टिकट पर विधायक रह चुकीं साधना स्थापक पर दांव क्यों नहीं लगाया? साधना भी मन मसोसकर घर बैठी हैं।

भोपाल में पीसी के लिए बजी खतरे की घंटी

राजधानी की भाजपा के प्रभाव वाली भोपाल दक्षिण सीट पर खतरे की घंटी बज गई है। खासतौर पर पिछले चुनाव में भाजपा के कब्जे से छिनी परंपरागत भोपाल दक्षिण-पश्चिम सीट पर यह चुनौती खासी बड़ी है। ब्राह्मणों की बहुतायत वाली इस सीट पर पिछली बार कांग्रेस के विधायक बने पीसी शर्मा इसे आसान मानकर चल रहे थे। खासतौर से प्रदेश भाजपा के महामंत्री भगवानदास सबनानी को टिकट मिलने के बाद उन्हें लग रहा था कि पहले ही दौर में बाजी उनके हाथ लग चुकी है। लेकिन तेजी से प्रचार में जुटे सबनानी को संघ यानि राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ का साथ मिल गया है। संघ ने सीधे न सही पर हिंदुत्व के नाम पर सबनानी के लिए माहौल बनाना शुरू कर दिया है। पिछले चुनाव में खफा बैठे संघ के तेवर कांग्रेस और पीसी को डराने वाले हैं। खबर तो यह है कि विश्व हिंदु परिषद से लेकर बजरंग दल तक सबनानी के पक्ष में मैदान में उतर चुके हैं। उधर संघ के तेवरों और सबनानी की उम्मीदवारी से हुजूर विधायक एवं भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा भी पुलकित हैं। उन्हें लगता है कि सिंधी समुदाय के इस टिकट से उन्हें हुजूर क्षेत्र के तहत आने वाले सिंधी बाहुल्य बैरागढ़ में भी फायदा होने वाला है।

परंपराओं में लिपटा, नए लिबास वाला कांग्रेस का पूर्णकालिक

कांग्रेस की पारंपरिक कुर्ता पाजामा वाली पोषाक की बजाए कलर कॉम्बिनेशन व क्रीजबंद कपड़ों में सजे रहने का कौशल जानने वाले मीडिया चीफ केके मिश्रा से बेहतर भला कौन समझेगा कि आतंरिक उथलपुथल व शक्तिकेंद्रों में बंटकर चलने वाली कांग्रेस में वजूद कायम रखना कम कौशल का काम नहीं हैं। इसके लिये शक्तिकेंद्र ही नहीं, लियाकत की भी जरूरत होती है। कुछ मौकों व छींटों को छोड़कर वे एक डेढ़ दशक में कांग्रेस के चेहरों में एक अदद चेहरा बने रहने में कामयाब हैं।

चेहरा एक अदद

▮आशीष दुबे

बरसों सुनसान रही पीसीसी में मानक अग्रवाल के बाद केके मिश्रा ही वह किरदार हैं जिन्होंने किरदार के मुताबिक किला लड़ाया। कांग्रेस की करारी हार के बाद सुभाष यादव ने 2003 में उन्हें इंदौर से लाकर भोपाल में 'रिलांच' किया था। तब से वे इंदौर को छोड़कर भोपाल में 'हॉस्टल लाइफ' जी रहे हैं। 2018 में जब डेढ़ साल का कांग्रेस का सुनहरा दौर आया, तो केके ने खुद को सत्ता साकेतों से बहुत दूर पाया था। फिलहाल वे विस चुनाव में मीडिया विभाग व संगठन समन्वय में जुटाए गए हैं, वे राष्ट्रीय प्रवक्ताओं से लेकर क्षेत्रीय और जिला अंचल तक कांग्रेस की 'आवाजों' को साध रहे हैं। हालांकि काम कठिन है क्योंकि *पर* कतरने के लिए दीवारों पर लगीं कांग्रेसी कैचियां भी कम धारदार नहीं। उनके काम के आलोचक भी उनके इर्द गिर्द ही हैं। मगर मिश्रा बिना डरे बोलने में 'कंजूसी' नहीं करते हैं और भाईलोग बातों को लपकने की फिराक में रहते हैं। पीसीसी में केके मिश्रा की उपलब्धता व किस्सागोई मशहूर है तो *ऑफ द रिकार्ड* भी, मगर कुछ 'चोटों' के बाद अब वे चूजी हैं। फिलहाल अपने चीफ कमलनाथ की आदत के मुताबिक निर्देशों का तत्काल कंप्लायंस तथा सिविल लाइंस में परदे के पीछे काम करने वाले चेहरों व अक्सर होने वाली वाइल्ड कार्ड एंट्री के बीच दिग्विजय सिंह, अजय सिंह, अरूण यादव तक से राब्ता बनाए रखने जैसे घोषित अघोषित टास्क उनके पास है। कुछ बातें उनकी मदद करती हैं, मसलन निर्विकार नजर आना, महत्वाकांक्षा न जताना व सिंधिया के प्रति बेहद कड़ा नजरिया व रवैया ! वे कहते हैं- मैं पिछले बीस साल में बमुश्किल तीन बार ही दिल्ली गया हूं, मेरा पूरा हस्तिनापुर ही यहीं हैं।

बहरहाल, पिछले अठारह साल में भाजपा सरकार के तथ्य-कथ्य मामलों को जुबानी याद रखने और *'न जाने कौन मेरे हक़ में दुआ पढ़ता है, मैं डूबता हूं तो दरिया उछाल देता है मुझे'*, की तर्ज पर डूबते उतराते केके की कमर से इस बार बंदूक गायब है लेकिन जुबान से गोली चल रही हैं..।

पीएम व प्रियंका की सभा, केंद्रीय मंत्री भी घूम रहे गली गली

चुनाव प्रचार में गूंजने लगा पांडव और कौरव से लेकर अहिरावण का जिक्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में चुनाव प्रचार जनता के जीवन से जुड़े मुददों से लेकर पौराणिक चरित्रों और जुमलों तक घूम रहा है। पीएम मोदी ने जहां भाजपा का पांडव बताया और प्रकारांतर से कांग्रेस को कौरव तो प्रियंका गांधी ने अहिरावन के चरित्र का अपनी चुनाव सभा में जिक्र कर दिया। उधर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने दोनों भाई बहन को झूठ बोलना ही सिखाया है तो कमलनाथ ने ऐलान किया कि वे सांवेर क्षेत्र को गोद लेंगे, ज्ञात हो यह भाजपा के मंत्री तुलसी सिलावट का चुनाव क्षेत्र है। मुख्यमंत्री ने पानसेमल, सेंधवा, भगवानपुरा, भीकनगांव, मांधाता, खिलचीपुर, राजगढ़, नरसिंहगढ़ और सीहोर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी सभाओं में कहा कि कांग्रेस ने दोनों भाई-बहन को केवल झूठ बोलना ही सिखाया है और मुझे तो इतनी गाली देते हैं, चाहे खड़गे हों, कमलनाथ या दिग्विजय हों, इनको लगता है कि पता नहीं ये डेढ हड्डी का कहां से आ गया हमारी दाल नहीं गलने देता है। चौहान ने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे कह रहे थे भाजपा के 5 पांडव हमसे लड़ रहे हैं, मतलब कांग्रेस ने मान लिया वे कौरव हैं। इसलिए यह स्वार्थ धर्म-अधर्म, न्याय-अन्याय की लड़ाई में पांडव जीतेंगे।

कल के बाद परसों भी आएगा: नाथ

कमलनाथ ने सांवेर की सभा में कहा कि मैं सांवेर को गोद लेने आया हूं. यहां पर गुंडागर्दी करने वालों को मैं बताना चाहता हूं कि कल के बाद परसों भी आता है और कमलनाथ अब 2018 के मॉडल नहीं है 2023 का मॉडल हैं। शिवराज की 18 साल की सरकार ने प्रदेश को चौपट प्रदेश बना दिया है। नाथ ने कहा कि शिवराज व भाजपा नेता किसानों की बात नहीं करते, युवाओं के रोजगारों की बात नहीं करते, महिला सुरक्षा की बात नहीं करते हैं बल्कि सवाल उठाते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया, तो मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी अगर किसी स्कूल में पढ़ने गए होंगे तो वह स्कूल भी कांग्रेस ने बनाया था।

डबल इंजन कुचल रहा है: यादव

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के 18 वर्षीय कुशासन में गरीबों को उनका हक और अधिकार नहीं मिला । इन लोगों ने गरीबी की मार के साथ महंगाई की डबल मार सही है। कांग्रेस के प्रचार के दौरान यादव ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने गरीबों को अपने डबल इंजन से बार बार कुचला और दमन किया है । गरीबों को उनका हक, अधिकार और न्याय दिलाने के लिये भाजपा के डबल इंजन की सरकार से मुक्ति पाना होगी । यादव ने कसरावद में छोटे भाई सचिन यादव के समर्थन में जनसंपर्क कर विभिन्न वार्डों में नुक्कड सभाओं को सम्बोधित किया ।

केंद्र की योजना मप्र में बंद: कांग्रेस प्रभारी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने प्रेस कांफ्रेस में सामाजिक न्याय की योजनाओं को मप्र में बंद करने का आरोप लगाया व कहा कि केंद्र में जब कांग्रेस की सरकार थी, तो सामाजिक न्याय के सरोकार के लिए निर्धारित किया गया था कि समाज के वृद्धजन, नि:षक्त जन, मानसिक रूप से अविकसित, बहुदिव्यांग, जैसे लोगों को प्रतिमाह आर्थिक रूप से सषक्त करेंगे। मगर वर्तमान भाजपा की सरकार ने सामाजिक न्याय एवं नि:षक्त जन कल्याण विभाग की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्त पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन, मानसिक रूप से अविकसित/बहुविकलांग को आर्थिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना सहित सात केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं पर ताला लगा दिया है। अप्रैल 2023 से अक्टूबर 2023 माह तक केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने इसमें एक भी पैसा खर्च नहीं किया है।

राजधानी का चुनावी घमासान

बच्चों से चुनाव प्रचार, शिकायत

प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने चुनाव आयोग को शिकायत करते हुए कहा कि राजधानी में भोपाल उत्तर के भाजपा के प्रत्याशी आलोक शर्मा द्वारा बच्चों से भाजपा के पक्ष में चुनाव प्रचार कराया जा रहा है जो आचार संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में आता है।कांग्रेस ने शिकायत की है कि आलोक शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कार्यवाही की जाय।

तिवारी ने किया जनसभा को संबोधित

अभिनेता व गायक मनोज तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी श भगवानदास सबनानी के समर्थन में भीम नगर स्थित मंगल भवन में जनसभा को संबोधित किया व कहा कि लोगों का उत्साह ,उमंग, और हर्ष उल्लास इस बात का साफ़ संदेश है की मध्य प्रदेश में एक बार फिर भाजपा सरकार बनने जा रही है। दक्षिण पश्चिम में सबनानी ही नहीं मनोज तिवारी, शिवराज सिंह चौहान, और मोदी की ताकत भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सनातन को जड़ से समाप्त करने की बात करती है जब वोट मांगने आए तो पूछना की राम के अस्तित्व को नकारने वाले सदियों पुराने सनातन धर्म को समाप्त कर पाएंगे , भव्य रामलाला का मंदिर 22 जनवरी को बनकर तैयार होगा

नरेला

मनोज शुक्ला का स्कूटी से प्रचार

सारंग पर विश्वास जताने आईं स्मृति

कसरावद में भाई का प्रचार...

फ्लैश बैक

सीधी की हरियाली, हेलिपेड और सत्ता की सीढ़ियां

कांग्रेस सरकार में दो बार मप्र के मुख्यमंत्री रहे अर्जुन सिंह ने एक मर्तबा संजय गांधी की बात मानने व उन्हें प्रभावित करने के लिये सीधी को हराभरा बनाने जी तोड मेहनत की थी। आज दोनों ही नहीं हैं, लेकिन सीधी जिले के पुराने लोग दोनों को याद करते हैं। सिंह के पुत्र अजय सिंह अभी भी यहां से चुनाव लड़ते हैं। उस दौर का एक किस्सा कांग्रेस के असरदार नेता रहे स्वर्गीय संजय गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह से जुड़ा हुआ है। दरअसल, तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के निमंत्रण पर इंदिरा गांधी के अलावा उनके पुत्र संजय गांधी भी एकाधिक बार सीधी और चुरहट आते रहे थे। एक बार भीषण गर्मी के दौर में संजय गांधी चुरहट पहुंचे तो उनकी गाड़ी अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह चला रहे थे। गर्मी का आलम यह था कि गाड़ी की सीट और स्टीयरिंग गर्म हो चुका था। दोनों पर गीले तौलिये रखने पड़े थे। अजय सिंह के मुताबिक संजय गांधी तब अकेले ही छोटा हवाई जहाज उड़ाते हुए सीधी पहुंचे थे व अर्जुन सिंह से कहा था कि चुरहट में बहुत सूखा दिखता है। आप क्यों नहीं इस इलाके को हराभरा बनाते हैं। इसके बाद ही अर्जुन सिंह ने चुरहट के आसपास वनीकरण की प्रक्रिया आरंभ कर दी थी। मुख्यमंत्री रहते हुए अर्जुन सिंह ने सीधी जिले में 109 जगह पर हेलीपैड बनवा दिये। भोपाल से अर्जुन सिंह अक्सर सीधी और चुरहट के दौरे पर पहुंचते थे। विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए जब संजय गांधी चुरहट आए तब ही संभवत अर्जुन सिंह को इस बात के संकेत मिल गए थे कि भविष्य में उन्हें मध्य प्रदेश की कमान सौंपी जा सकती है।

दौड़ से अलग हुए थे नाथ

फिर आया वर्ष 980, इस चुनाव में कांग्रेस स्पष्ट बहुमत लेकर वापस सत्ता में लौटी। विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए बैठक बुलाई गई, मध्य प्रदेश के भावी मुख्यमंत्री के लिए प्रकाशचंद्र सेठी, विद्याचरण शुक्ल, कृष्णपाल सिंह, अर्जुन सिंह, कमल नाथ और शिवभानु सिंह सोलंकी के नाम चर्चाओं में थे। तब की राजनीतिक के जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री के लिए कमलनाथ का नाम भी सामने आया था, बाद में वे दौड़ से अलग हो गए।

मुखर्जी ने मनाया था विधायकों को

लिहाजा जब मुख्यमंत्री के लिए किसी भी नेता के नाम पर सहमति नहीं हो पाई तो मामला हाईकमान पर छोड़ दिया गया। नाथ ने अपने विधायकों के वोट भी अर्जुन सिंह को दिलवा दिये। पहले दौर के लिए अनंत प्रसाद शर्मा पर्यवेक्षक के तौर पर आए थे तो दूसरी बार प्रणव मुखर्जी पर्यवेक्षक थे। तब मुखर्जी ने भोपाल में कहा कि नेता का चयन सर्वानुमति से होना चाहिये, लेकिन शिवभानु सिंह सोलंकी तैयार नहीं थे। फिर मुखर्जी ने विधायकों से चर्चा कर उनकी राय जानी तथा इंदिरा गांधी को फोन पर अवगत कराया।

87 हजार वोटर कार्ड मतदान से पहले आए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में करीब कुल 1 लाख 75 हजार मतदाताओं के वोटर कार्ड पेंडिंग थे। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह का कहना है कि मतदाता वोटर आईडी कार्ड ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। जल्द ही बचे हुए वोटरों के वोटर कार्ड भी उनके घर पहुंचाए जाएंगे। इसके अलावा जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में है, लेकिन उनके पास वोटर कार्ड नहीं है तो वे भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से मान्य की गई 12 तरह की आईडी दिखाकर मतदान कर सकते हैं। 17 नवंबर को मतदान है और अभी भी एक लाख वोटरों को उनके मतदाता कार्ड नहीं मिले हैं। बुधवार को जिला निर्वाचन कार्यालय को 87 हजार 679 नए वोटर कार्ड मिले हैं। स्पीड पोस्ट से मतदाताओं के घर भेजा जाएगा। तीन दिन में यह वोटर कार्ड मतदाताओं तक पहुंच जाएंगे। लोगों ने सी- विजल एप से लेकर कई जगह वोटर कार्ड न मिलने की 300 शिकायत की तब कहीं जाकर बेंगलुरू से नए वोटर कार्ड मिले हैं। इसके पहले करीब 66 हजार 714 हजार कार्ड पहुंचाए जा चुके हैं। अब तक कुल 90 हजार 510 वोटर कार्ड पहुंचा प्रिंट हो कर आ गए हैं। अब सिर्फ 3 हजार कार्ड पेंडिंग हैं।

सुविचार

''मनुष्य को हमेशा मौका नहीं ढूंढना चाहिए, क्योंकि जो आज है वही सबसे अच्छा मौका है।''

-अज्ञात

संपादकीय

राजभवनों पर उठते सवाल

राज्यों के राजभवन काफी समय से विवादों के केंद्र में हैं। दरअसल राज्यपालों की भूमिका को लेकर उठते सवाल राजभवन की गरिमा और तटस्थता के तकाजे पर लोगों को सोचने के लिये मजबूर करने लगे हैं। इसकी एक बड़ी वजह है राज्यपालों का केंद्र सरकार की तरफ झुकाव नजर आना और परोक्ष राजनीतिक सक्रियता दिखना।हालात यहां तक आ पहुंचे हैं कि सर्वोच्च न्यायालय को नसीहत देनी पड़ी है कि राज्यपालों को समझना होगा कि वे जनता द्वारा सीधे चुने हुए प्रतिनिधि नहीं हैं। यह मामला इस बार केरल,पंजाब और तमिनाडु की राज्य सरकारों की सर्वोच्च न्यायालय में गुहार से उपजा। राज्य का कहना था कि राज्यपाल उनके पारित विधेयकों को लटकाए हुए हैं। यहां तक कि धन-विधेयक पर भी मंजूरी नहीं दे रहे। पंजाब सरकार की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने यह सख्त टिप्पणी की। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों को यह प्रवृत्ति छोड़नी होगी कि मामला अदालत में आने के बाद ही वे विधेयकों पर मंजूरी देंगे। अदालत की यह टिप्पणी एक तरह से राज्यपाल पद की गरिमा को प्रश्नांकित करने वाली है। यह शायद पहली बार है, जब राज्य सरकारों को विधानसभा में पारित विधेयकों पर मंजूरी प्राप्त करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। जबकि राज्यपाल इस नियम से अनजान नहीं माने जा सकते कि पारित विधेयकों पर मंजूरी को लटकाए रखने का उनका अधिकार सीमित है। हालांकि पहले भी राज्यपाल केंद्र की मर्जी के अनुरूप और दलगत झुकाव के साथ काम करते देखे जाते थे, मगर पिछले कुछ साल में जिस तरह वे प्रकट रूप में अपने पद की गरिमा को ताक पर रखते हुए काम करते देखे जा रहे हैं, उसे लेकर सवाल गहरे होना स्वाभाविक हैं। राज्यपाल का पद संवैधानिक और एक तरह से शोभा का होता है। राज्यापाल का दायित्व राज्य सरकार की सहमति और सहयोग से लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक मूल्यों की पहरेदारी करना है। मगर उनकी नियुक्ति चूंकि केंद्र सरकार करती है, इसलिए जाहिर है कि दोनों के बीच अघोषित राजनीतिक स्वार्थ का सूत्र जुड़ा होता है। प्राय- जिन राज्यों में केंद्र के विपक्षी दलों की सरकारें होती हैं, उनमें राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच तनावपूर्ण रिश्ते देखे जाते हैं। इससे पहले भी केंद्र के इशारे पर कई बार राज्यपाल राज्य की सरकारों को अपदस्थ कर चुके हैं। मगर %पीडित राज्यों% की दलीलों पर गौर करें तो बीते कुछ सालों में राज्यपाल जानबूझ कर सरकारों के कामकाज में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। दिल्ली भी इसका उदाहरण है, जहां उपराज्यपाल ने एक तरह से चुनी हुई सरकार के सारे अधिकार अपने हाथों में ले लिए हैं और सरकार का हर फैसला पलटते रहते हैं। कुछ समय पहले तक पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच तो जुबानी जंग भी देखी जाती थी। राज्यपाल खुल कर दलगत बयान दिया करते थे। उनके वहां से हटने के बाद ही राज्य सरकार कुछ राहत की सांस ले सकी है। मगर पंजाब में भी राज्यपाल और मान सरकार के बीच अक्सर ठनी रहती है।यहां तक कि राज्यपाल ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की इजाजत नहीं दी, जिसके लिए सरकार को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा था। ऐसे टकराव तकरीबन हर राज्य में दिखाई देते हैं, जहां केंद्र के विपक्षी दलों की सरकारें हैं। कहा जा सकता है कि इस तरह राज्यपालों ने अपने पद की गरिमा को ही गिराया है। उनके और राज्य सरकार के बीच की सियासी तकरार के चलते आखिरकार वहां की जनता को खमियाजा भुगतना पड़ता है। अनेक विकास कार्य ठप पड़ जाते हैं। यह विचारणीय है कि जो काम संवैधानिक मर्यादा में होने चाहिए, उनके लिए सर्वोच्च न्यायालय को फटकार लगानी पड रही है।

कविता

छूटा तीर कमान से !

– कृष्णेन्द्र राय

मांग रहे अब माफ़ी ।
देकर ग़लत बयान ।।
खुद ही खुद से खो रहे ।
लगता अब सम्मान ।।
क्यों आई ये नौबत ?
चल दिए इस राह ।।
हो रहे शर्मिंदा ।
सब तो हैं गवाह ।।
बना कैसा योग ।
लिख रहे हैं गाथा ।।
छूटा तीर कमान से ।
पीटो चाहे माथा ।।
हुआ स्वत-ये भान ।
याद अचानक आई ।।
हम ही हैं सर्वोत्तम ।
दे रहे दुहाई ।।

आज का इतिहास

- 2005 में आज ही के दिन फ्रांस में आपातकाल घोषित हुआ था।
- 2001 में 9 नवंबर के दिन ही भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था।
- 2000 में आज ही के दिन उत्तराखंड का उत्तर प्रदेश से अलग राज्य के रूप में गठन हुआ था।
- 1995 में 9 नवबंर के दिन ही इजराइल के प्रधानमंत्री यितझाक राबिन की एक शांति रैली के दौरान हत्या हो गई थी।
- 1989 में आज ही के दिन ब्रिटेन में मृत्यु-दंड की सज़ा पर पूरी तरह से रोक लगाई गई थी।
- 1984 में 9 नवंबर को ही ओ. बी. अग्रवाल अमेच्योर स्नूकर में विश्व चैंपियन बने थे।
- 1962 में आज ही के दिन अमेरिका ने नेवाडा में परमाणु परीक्षण किया था।
- 1954 में 9 नवंबर के दिन ही दार्जिलिंग में हिमालयन पर्वतारोहण की संस्थान की स्थापना की गई थी।
- 1953 में आज ही के दिन कंबोडिया को फ्रांस से आजादी मिली थी।
- 1947 में 9 नवंबर के दिन ही भारत सरकार ने सैन्य कार्यवाई द्वारा जूनागढ़ मुक्त कराया था।
- 1937 में आज ही के दिन जापानी सेना ने चीन के शंघाई शहर पर कब्जा किया था।
- 1889 में 9 नवंबर के दिन ही स्वतंत्रता सेनानी जमनालाल बजाज का जन्म हुआ था।
- 1822 में आज ही के दिन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का मैरी टोड के साथ विवाह हुआ था।
- 1822 में 9 नवंबर के दिन ही दिल्ली जल आपूर्ति योजना की औपचारिक शुरुआत हुई थी।
- 1936 में आज ही के दिन प्रसिद्ध हिन्दी कवि सुदामा पांडेय का जन्म हुआ था।
- 1922 में 9 नवंबर को ही अमेरिकी अभिनेत्री डोरोथी डैंड्रिज का जन्म हुआ था।

उपकरणों के साथ मानवीय गरिमा की रक्षा हो

दीपिका अरोड़ा

भूमिगत सीवर सिस्टम ने भले ही शहरी व्यवस्था को सुविधाजनक बना दिया हो किंतु वर्ष 1993 में, आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित होने के बावजूद हाथ से मैला ढोने की प्रथा आज भी जारी है। सफाई की सुरक्षाविहीन मैन्युअल प्रक्रिया न जाने कितने कर्मियों को शारीरिक-मानसिक रूप से रुग्ण बना देती है, कई बार तो परिवार का आश्रयदाता ही छीन लेती है।

इसी संदर्भ में दाखलि एक जनहित याचिका पर फ़ैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने सीवर सफाई के दौरान सफाई कर्मी की मृत्यु होने पर, बतौर मुआवज़ा, परिवार को 30 लाख रुपये देने का आदेश दिया। स्थायी दिव्यांग होने पर न्यूनतम 20 लाख रुपये, अन्य प्रकार की दिव्यांगता में सरकारी अधिकारियों को 10 लाख रुपये अदा करने होंगे।

मानवीय दृष्टिकोण से कई असंवेदनशील पहलुओं सहित रोग जनक एवं प्राणघातक होने की वजह से निश्चय ही यह विचारणीय विषय है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14, 17, 21 तथा 23 हाथ से मैला उठाने वालों को सुरक्षा-गारंटी प्रदान करता है। भूमिगत सफाई से पूर्व कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाना यद्यपि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा मुंबई हाईकोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं सरकारी अध्यादेश, 2008 के अंतर्गत कानूनी प्रावधानों में आता है। इसके बावजूद नियमित सफाई कर्मियों के अलावा संविदा-ठेके पर भर्ती मज़दूरों को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था मैनहोल में उतारना आम बात है। इंसानी ज़िंदगी से खुलेआम खिलवाड़ दर्शाता एक वीडियो बीते दिनों ख़ासा चर्चित रहा, जिसमें बिना किसी सुरक्षा-व्यवस्था एवं सेफ्टी किट के, मुंह उल्टा करके सीवर होल की सफाई कर रहे कर्मी के पांव अन्य कर्मी ने पकड़ रखे थे। अधिकारियों का लापरवाह रवैया दर्शाती यह तस्वीर हाथ से मैला उठाने की प्रथा के उन्मूलन-प्रयासों पर प्रश्नचिन्ह है।

ग़ौरतलब है, मानव अपशिष्ट तथा हानिकारक पदार्थों के सीधे संपर्क में आने के कारण उपजे गंभीर रोगों से असामयिक मृत्यु का जोखमि बढ़ जाता है। गहरे कुंडों में जमा रसायन विषैली गैसें उत्पन्न कर दमघोटू माहौल बनाते हैं, जिसका ख़ामियाज़ा सफाईकर्मियों को जान देकर चुकाना पड़ता है। जुलाई, 2022 के दौरान लोकसभा में पेश आंकड़ों का हवाला देते हुए कोर्ट ने गत 5 वर्षों के दौरान 347 लोगों की मृत्यु होने की बात कही। अधिकांश मामलों में परिजनों को पर्याप्त मुआवज़ा न मिल पाना अन्य त्रासदी रही, जबकि वर्ष 2014 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार, वर्ष 1993 से सीवेज कार्य में मरने वाले व्यक्तियों की पहचान करना तथा मुआवज़े के रूप में प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपए प्रदान करना अनिवार्य बनाया गया था। सरकारी आंकड़ों के

अनुसार, बीते 20 वर्षों में 989 कर्मी सीवर साफ करते समय मौत का ग्रास बने।

प्रतिषेध तथा पुनर्वास अधिनियम, 2013 इस कुप्रथा के उन्मूलन हेतु प्रतिबद्ध है किंतु केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जून माह में जारी आंकड़े बताते हैं, 766 में से मात्र 508 ज़िले स्वयं को हाथ से मैला ढोने की प्रथा से मुक्त घोषित कर पाए। यह विसंगति प्रथा की असल स्थिति व सरकारी प्रयासों की प्रभावशीलता को लेकर चिंता उत्पन्न करती है।

मशीनी युग में भी अधिकांश नगरपालिकाओं के पास सीवेज सिस्टम की सफाई हेतु नवीनतम संयंत्र उपलब्ध न होना आश्चर्जनक है। जातिगत हाशिये पर धकेले समुदायों के लिए वैकल्पिक रोज़गार अवसरों तक पर्याप्त पहुंच न होने के कारण, आजीविका के तौर पर हाथ से मैला ढोने का काम स्वीकारना एक विवशता बन जाता है। वहीं अकुशल मज़दूरों द्वारा सस्ती मज़दूरी में कार्य निपटाने की सोच भी इस सामाजिक कलंक को मिटने नहीं देती है?

हाथ से मैला ढोना व्यक्ति की गरिमा तथा मानवाधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। सामाजिक भेदभाव बढ़ाने के साथ यह भावनात्मक तनाव को भी जन्म देता है। इसी के दृष्टिगत, पीठ ने प्रथा की समाप्ति सहित केंद्र तथा राज्य सरकारों को 'मैनुअल स्कैवेंजर्स पुनर्वास' हेतु समुचित क़दम उठाने तथा पीड़ितों एवं उनके परिजनों के लिए छात्रवृत्ति व अन्य कौशल विकास कार्यक्रम सुनिश्चित बनाने का आदेश भी दिया। जान को जोखिम में डालने वाली यह प्रथा वास्तव में समाज की संकीर्ण सोच की परिचायक है जो मानवीयता के स्तर पर मानव को मानव से विलग करती है। समुचित निवेश द्वारा आधुनिक शौचालयों, सीवेज उपचार संयंत्रों तथा कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के निर्माण सहित स्वच्छता के बुनियादी ढांचे में सुधार लाया जाए तो निस्संदेह, अपशिष्ट निपटान के लिए सुरक्षित विकल्प मिल जाएंगे। पहल के तौर पर, सरकारी-ग़ैर सरकारी संगठन व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के गंभीरतापूर्ण प्रयास करें तो सीवर सफाई कर्मियों के जीवन की दिशा व दशा बदल सकती है।

जीवन अनमोल है। आर्थिक संबल देने वाला मुआवज़ा भी, परिजन-विछोह क्षति की भरपाई नहीं कर पाता। जैसा कि पीठ ने सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिया, सीवर-मौत से जुड़े मामलों का हाईकोर्ट के संज्ञान में आना अनिवार्य है। कानून यदि कड़ाई से लागू हों तो एजेंसियों को सुरक्षा उपकरणों तथा नियमों के प्रति सचेत एवं संवेदनशील होना ही पड़ेगा। संभवतः फिर मुआवज़ा देने की नौबत ही न आए !

साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।

कठपुतली सरकार की तैयारी, सैन्य व्यवस्था के गणित में शरीफ को गले लगाने की बारी

केएस तोमर

कई विरोधाभासों एवं उथल-पुथल के बीच पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने वहां के चुनाव आयोग को आठ फरवरी, 2024 को आम चुनाव कराने की अंतिम तारीख तय करने के लिए मजबूर करने में अहम भूमिका निभाई, जिसे किसी न किसी बहाने से टाला जा रहा था और अनिश्चितता चरम पर थी। विश्लेषकों का मानना है कि इससे दो उद्देश्य पूरे हो सकते हैं। पहला, इससे पाकिस्तान के नाजुक लोकतंत्र के बारे में उम्मीदें जगेंगी, जिस पर हमेशा वहां की ताकतवर सेना द्वारा कब्जा किए जाने का खतरा रहता है। दूसरा, इससे स्थिरता की भावना पैदा होगी और कार्यवाहक सरकार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से राहत पैकेज के लिए बातचीत करने में मदद मिलेगी।

विश्लेषकों का मानना है कि यदि पाकिस्तान में लोकतंत्र कायम रहता है, तो यह भारत के लिए अच्छा संकेत है, क्योंकि पड़ोस में शांति रहने से सकारात्मक माहौल बनता है। आज जैसी स्थिति है, उसमें सेना की मदद से नवाज शरीफ के अगले प्रधानमंत्री बनने की संभावनाएं प्रबल हैं, जिससे भारत के प्रति शत्रुता थोड़ी कम हो सकती है। नवाज शरीफ ने पहले भी शांति की पहल की कोशिश की थी, हालांकि सैन्य जनरलों ने उसे विफल कर दिया था। कूटनीतिक सिद्धांत के अनुसार, भले ही दोनों देशों के रिश्तों को शत्रुता नियंत्रित करती हो, लेकिन बातचीत जारी रहनी चाहिए। यदि पाकिस्तान गंभीरता दिखाए और कश्मीर का मोह छोड़ दे, तो भारत फिर से बातचीत शुरू कर सकता है।

शहबाज शरीफ की सरकार ने वित्तीय संकट को प्रमुख कारण बताकर चुनाव में देरी करने की कोशिश की थी और शीर्ष अदालत के आदेश को मानने से इन्कार कर दिया था, जिसे सेना का भी समर्थन था। विगत नौ अगस्त को पाकिस्तान की संसद भंग हो गई थी, जिससे अराजक शासन का अंत हुआ और आम चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो गया। प्रधानमंत्री अनवार उल हक के नेतृत्व में कार्यवाहक सरकार ने चुनाव कराने की प्रक्रिया तेज कर दी।

दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने जनगणना और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदि का हवाला देकर संसद भंग करने के बाद निर्धारित 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने में असमर्थता जताई थी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन, पाकिस्तान तहरीक-ए इंसाफ तथा अन्य ने चुनाव आयोग को समय पर चुनाव कराने का निर्देश देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को राष्ट्रपति अल्वी के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने का निर्देश दिया। इस तरह आम चुनाव कराने की

अंतिम तारीख आठ फरवरी तय की गई।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वतन वापसी का समय कोई संयोग नहीं है, बल्कि असीम मुनीर के सेना प्रमुख बनने के बाद सेना ने सावधानीपूर्वक इसकी योजना बनाई थी, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की सियासत में सेना की सर्वोच्चता को चुनौती देने वाले इमरान खान को ठिकाने लगाना है। जिस सैन्य व्यवस्था ने कभी नवाज शरीफ को देश से बाहर जाने पर मजबूर किया था, वही आज उन्हें गले लगाने के लिए तैयार है, क्योंकि पाकिस्तान के मौजूदा उथल-पुथल भरे दौर में उनसे बेहतर विकल्प उपलब्ध नहीं है। सेना ने तीन बार नवाज शरीफ को सत्ता से बेदखल किया और अब चुनाव से ठीक पहले नवाज की वापसी ने सेना का काम आसान कर दिया। नवाज शरीफ इमरान खान के प्रति कटुता से भरे हुए हैं, इसलिए सुलह की कोई संभावना नहीं है और प्रमुख विपक्षी दल पीटीआई को कोई मौका नहीं दिया जा रहा है। इमरान की गिरफ्तारी के बाद उनकी पार्टी पीटीआई की स्थिति खराब हो गई है और एक अदालत ने उनके खिलाफ मुल्क के गोपनीय दस्तावेजों को लीक करने का आरोप लगाया है, जिसमें उन्हें मौत की सजा भी हो सकती है। चुनाव आयोग द्वारा अयोग्य घोषित कर दिए जाने के बाद जब तक उन्हें हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिल जाती, तब तक वह चुनाव नहीं लड़ सकते।

विश्लेषकों का कहना है कि पिछले एक साल के दौरान चार घटनाओं ने पूरे पाकिस्तान के सियासी माहौल को बदलकर रख दिया है। पहली घटना, मई, 2023 में नेशनल एसेंबली में एक विधेयक पारित किया गया, जिसमें आजीवन अयोग्यता की अवधि को घटाकर पांच साल कर दिया गया, जिसका उद्देश्य नवाज शरीफ की वापसी सुनिश्चित करना था। दूसरी घटना, नौ मई को इमरान समर्थकों द्वारा सेना मुख्यालय में तोड़फोड़ की है, जब सेना प्रमुख मुनीर को अपनी स्थिति मजबूत करने का सुनहरा मौका मिला। मुनीर ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त करके अपने अधिकार को प्रदर्शित किया, जो देश की घरेलू राजनीति को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त है।

तीसरी घटना इमरान समर्थक सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश की जगह नए प्रधान न्यायाधीश के रूप में काजी फैज ईसा की नियुक्ति है, जिसने नवाज की पार्टी को बड़ी राहत दी, जो उनसे निष्पक्ष फैसले की उम्मीद करती है। चौथी घटना नवाज की पाकिस्तान वापसी है, अगर वह पाकिस्तान के अगले प्रधानमंत्री बनते हैं, तो भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम हो सकता है। नवाज ने संकेत दिया है कि वह पड़ोसियों के साथ शांति चाहते हैं और बदले की राजनीति से बचना चाहते हैं।

नवाज उम्मीद करते हैं कि चुनाव कराने के लिए परिसीमन और जनगणना की प्रक्रिया समय पर पूरी हो जाएगी। नवाज शरीफ ने अपने परिवार के साथ किए गए दुर्व्यवहार के बारे में लोगों को बताया और अपने भ्रष्टाचारों पर पर्दा डालने के लिए इमरान सरकार के बदले की राजनीति का जिक्र किया। इस्लामाबाद स्थित विशेषज्ञ यह संभावना भी जताते हैं कि शरीफ बंधु भारत कार्ड भी खेल सकते हैं और इमरान खान को भारतीय एजेंट बता सकते हैं। उनका मानना है कि ऐसा लगता है कि सेना ने इमरान खान की पार्टी की जीत की किसी भी संभावना को कम करने के लिए नवाज शरीफ पर भरोसा करने का आखिरी विकल्प चुना है।

अगले साल की शुरुआत में आम चुनाव होने वाले हैं, जिसका मतलब होगा कि पाकिस्तान में छद्म ही सही, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया जारी रहेगी। इमरान खान के अमेरिका विरोधी और भारत विरोधी रुख को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि नवाज शरीफ थोड़े बेहतर साबित हो सकते हैं, पर हमें रुककर आगे की घटनाओं को देखना होगा।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

स्कूली बच्चों ने दी रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति

सिवनी मालवा । सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के अंदर अपनी संस्कृति परंपराओं के प्रति आदर का भाव एवं उन्हें पहचानने का एक सशक्त माध्यम है। उक्त विचार द चाइल्ड केयर अकादमी के वार्षिक उत्सव के अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि न्यायाधीश सोहनी दुग्गल ने कही कि बच्चों के सर्वांगीण विकास लिए इस प्रकार के आयोजन की आज महती आवश्यकता है। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे हुए श्याम रघुवंशी सहायक संचालक शिक्षा विभाग ने कहा कि जब आज के बच्चे टीवी एवं मोबाइल के माध्यम से वह सब शिक्षा देखते हैं जो उनकी उम्र के लिए होती ही नहीं है इस दौर में शिक्षण संस्थाएं इस तरह के आयोजन कर बच्चों को अपनी संस्कृति का ज्ञान करा सकते हैं। छात्र संघ अध्यक्ष अनन्या शर्मा द्वारा अतिथियों के स्वागत अपने विचारों द्वारा किया गया संस्था के डायरेक्टर अतुल शर्मा द्वारा संस्था के आने वाले वर्ष के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई। वही सरस्वती वंदना एवं वेलकम डांस के द्वारा कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। संस्था के छात्र-छात्राओं के द्वारा भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति की झलक प्रस्तुत की गई स्कूल मेमोरी, होली, महाभारत, गरबा शिव तांडव आदि नृत्यों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। संस्था द्वारा बच्चों को पारितोषिक प्रदान किए गए पूरे कार्यक्रम का निर्देशन अवीर शर्मा असिस्टेंट डायरेक्टर चाइल्ड केयर अकादमी द्वारा किया गया। मंच संचालन संस्था के छात्र अनन्या शर्मा एवं पीयूष यादव के द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने जारी किया लोकतंत्र पर्व का लोकसंगीत

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

दीपावली पर्व के बाद आने वाले प्रजातंत्र के महापर्व पर अधिकाधिक भागीदारी के लिये स्वीप आइकॉन सारिका घारू ने वीडियो गीतों का नया संग्रह तैयार किया है। इन गीतों का विमोचन मुख?य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने निर्वाचन सदन में किया। इस अवसर पर सारिका ने बताया वे मुख?य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के मार्गदर्शन में आयोजित स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत मॉडल वीवीपेट, कंट्रोल यूनिट तथा बैलेट यूनिट का प्रदर्शन कर नवमतदाताओं को मतदान प्रक्रिया समझा रही हैं । इसके लिये गीतो, लोकसंगीत आदि रोचक माध्यमों का उपयोग कर रही हैं। सारिका ने नर्मदापुरम कलेक?टर नीरज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे स्वीप कार्यक्रम में अपील की कि फर्ज निभाने की अभी से कर लीजिये तैयारी, 17 नवम्बर को आ रही है आपके मतदान की बारी।

विद्यार्थियों को शरीर की प्रकृति के प्रति जागरुक किया गया

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

8 वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2023 के कार्यक्रमों की श्रृंखला में शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय - नर्मदापुरम द्वारा जन स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद एवं हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद थीम अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला आई.टी.आई. नर्मदापुरम में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कर जिला आयुष अधिकारी द्वारा पुरुस्कार वितरण किया गया तथा विद्यार्थियों को अपनी शरीर को प्रकृति के प्रति जागरूक एवं प्रकृति परिक्षण हेतु प्रेरित किया गया।साथ ही आहार, विहार, योगाभ्यास एवं अपने आसपास पाए जाने वाले औषधीय पौधों के बारे में कार्यशाला कर व्याख्यान दिया गया एवं आयुर्वेद से उपचार हेतु प्रेरित किया गया।

इस दौरान जिला आयुष अधिकारी डॉ.शैलेंद्र आर्य, डॉ.प्रदीप कटियार एवं डॉ.एस.आर.करोंजिया,डॉ.ललिता उइके, डॉ. पूनम तिवारी, रघुवीर सिंह, राजपूत(योगाचार्य) एवं विद्यालय के प्रधान पाठक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय नर्मदापुरम के आर.एम.ओ. डॉ. एस.आर.करोंजिया द्वारा बताया गया की 10 नवंबर को 8वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय (आई.टी.आई के सामने) नर्मदापुरम में भगवान धन्वंतरि की पूजा कर प्रातः 9.00 बजे से दोपहर 1.00 तक निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जांच जारी: 15 किलो खुली खाद्य सामग्री को किया गया नष्ट

नर्मदापुरम। आगामी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार एवं उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशन में विभागीय जांच दलों द्वारा जिले में लगातार खाद्य प्रतिष्ठानों,मिठाई निर्माता, विक्रेताओं की जांच की जा रही है। बुधवार को नगर सिवनी मालवा क्षेत्र अंतर्गत आकस्मिक निरीक्षण किया गया7 निरीक्षण व कार्यवाही खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार,जितेंद्र सिंह राणा द्वारा की गई। खाद्य सामग्री विक्रेता राजस्थान स्वीट्स से सोन पपड़ी, जयस्तंभ स्थित राहुल स्वीट से केसर मावा बर्फी, मनभावन स्वीट्स से मांवाबर्फी, साईनाथ स्वीट्स से गजक ऐसे कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। नाश्ता भंडार एवं होटल से लगभग 15 किलो खुली खाद्य सामग्री का विनाष्टीकरण किया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत खाद्य पदार्थ मिठाई आदि पर निर्माण तिथि एवं अवसान तिथि का प्रदर्शन एवम साफ सफाई के लिए निर्देश दिए गए। नमूने जांच हेतु विधिवत प्रयोगशाला प्रेषित किए जा रहे हैं एवं जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

युवाओं, बच्चों सहित दिव्यांगो ने भी दिखाया अभूतपूर्व उत्साह

निर्वाचन महोत्सव के रंग में रंगा नर्मदापुरम

मतदान के लिए दौड़ा नर्मदापुरम

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

मतदाता जागरूकता गतिविधियों के क्रम में बुधवार को पुलिस परेड ग्राउंड में मेगा मैराथन का आयोजन किया गया। जिले में अधिकतम मतदान के उद्देश्य से आयोजित मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं, बच्चों सहित दिव्यांगो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। निर्वाचन महोत्सव के रंगे नर्मदापुरमवासियों ने मैराथन में अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। मैराथन को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह,पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, स्वीप आइकॉन अर्जुन अवार्ड प्राप्त श्री विवेक सागर, प्रतिष्ठित टेनिस खिलाड़ी अर्जुन अवार्ड प्राप्त आध्या तिवारी, दिव्यांग आइकॉन आशीष चटर्जी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्वीप नोडल एवं जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत ,एसडीएम नर्मदापुरम श्री आशीष पांडे , सीएमओ नवनीत पांडे ,जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी उमा पटेल, डीएसपी ट्रैफिक संतोष कुमार तिवारी, एसडीओपी पराग सैनी, आर आई विजय कुमार दुबे सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहें। ट्राइडेंट, पीएनबी से श्री तिवारी, अतुल्यम सोसायटी ने भी मैराथन के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि जिले में 17 नवंबर को आयोजित मतदान दिवस पर ज्यादा से ज्यादा मतदान के उद्देश्य से जन जागरूकता के लिए मैराथन का आयोजन किया गया है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि निर्भीक और स्वतंत्र होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। स्वीप आइकॉन विवेक सागर ने भी सभी नव मतदाताओं से मतदान करने का आग्रह किया। मैराथन से पूर्व कलेक्टर श्री सिंह ने सभी प्रतिभागियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। यह दौड़ पुलिस ग्राउंड से शुरू होकर शहर के प्रमुख चौक चौराहों से होकर निकाली गई जिसका समापन पुलिस ग्राउंड पर ही किया गया।

मैराथन स्थल पर बनाए गए सेल्फी पॉइंट

मैराथन आयोजन स्थल पर जगह-जगह सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए जहां स्कूली बच्चों और युवाओं ने सेल्फी लेकर मतदान करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की टी शर्ट और ई सर्टिफिकेट भी दिया गया। मतदान जागरूकता अंतर्गत प्रश्न उत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मंच संचालन श्रीमती आरती शर्मा ने किया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पुलिस, नगरपालिका नर्मदापुरम, होमगार्ड,जिला पंचायत , शिक्षा , उच्च शिक्षा ,आईटीआई नर्मदापुरम द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई।

मतदाता जागरुकता सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हुई प्रस्तुति

मैराथन से पूर्व आयोजन स्थल पर शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा देश भक्ति गीतों पर आधारित नृत्य , शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर विद्यालय द्वारा लोकतंत्र का पावनतम त्यौहार गीत , नर्मदा महाविद्यालय द्वारा सूनी सभी को , चुनो सही को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता का संदेश, सरवाइट स्कूल के बच्चों ने आकर्षक मार्चपास्ट , नर्मदा महाविद्यालय द्वारा घर घर संदेश दो, वोट दो वोट दो के उद्देश्य से नृत्य की एवं उत्कृष्ट विद्यालय द्वारा आओ रे शुभ दिन आयो रे गीत पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी।

यह रहे विजेता: मैराथन में सभी उम्र के प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। दिव्यांग वर्ग में प्रथम निलेश यादव, द्वितीय बसंत कुमार एवं तृतीय डेनी पाल मधु रहें। इसी प्रकार महिला वर्ग में प्रथम नर्मदापुरम की डॉली सिंह राजपूत , द्वितीय बेबी अफसा खाना एवं तृतीय स्वाति निरापुरे तथा पुरुष वर्ग में प्रथम हरिओम तिवारी , द्वितीय यश शर्मा एवं तृतीय अमरदीप पाल रहे। एसडीएम नर्मदापुरम आशीष पांडे ने भी मैराथन में हिस्सा ले मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। विजेताओं को प्रोत्साहन राशि एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। साथ ही विभिन्न गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी मंच से प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

मेट्रो एंकर | प्रेक्षकों ने बैठक कर चुनाव तैयारियों की जानकारी ली

केंद्रीय प्रेक्षक: निष्पक्ष-पारदर्शी चुनाव कराएं अधिकारी

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए भारत निवार्चन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक उदय नारायण दास, पुलिस प्रेक्षक शिवहरि मीना, व्यय लेखा प्रेक्षक रजत दत्ता तथा व्यय लेखा प्रेक्षक आर.आर.एन शुक्ला ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले की चारों विधानसभाओं के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सभी प्रेक्षकों ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का क?ाई से पालन करें।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने चारों विधानसभाओं के निर्वाचन के लिए की गई तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के इलेक्शन प्लान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 1187 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं जिनमें सभी केंद्रों पर रैंप, शौचालय, रोशनी, पेयजल, बैठक आदि आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग और वृद्ध मतदाताओं की सुविधा के लिए व्हीलचेयर की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि घर पहुंच मतदान सुविधा के तहत जिले में कुल 1579 दिव्यांग और वृद्ध मतदाताओं ने घर पहुंच मतदान की सहमति दी थी जिनमें से दो दिनों में 1055 मतदाताओं का घर पर मतदान करवाया जा चुका है। जिले में पदस्थ दूसरे जिले में मतदाताओं का मतदान 13 एवं 14 नवंबर को कराया जाएगा। 11 नवंबर तक सभी मतदाताओं को वोटर इनफार्मेशन स्लिप का वितरण कराया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में कम्युनिकेशन प्लान, शिकायत निराकरण व्यवस्था, सी विजिल एप, वोटर हेल्पलाइन एप सक्षम एप , सुविधा परमिशन एप के क्रियान्वयन के संबंध में भी जानकारी दी।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि जिले में 250 ऐसे मतदान केन्द्र बनाए गए हैं, जिनका पूरी तरह संचालन महिला कर्मी करेंगी। इन पोलिंग बूथ में केवल महिला कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। जिले में 100 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 4 दिव्यांग मतदान केंद्र एवं 19 शैडो एरिया मतदान केंद्र हैं। कुल 1187 मतदान केंद्रों में से 594 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग (लाइव स्ट्रीमिंग) की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक डॉ सिंह ने बताया कि जिले में सघन जांच एवं निगरानी के लिए जिले की सीमाओं जांच नाके बनाए गए हैं, 15 एफएसटी, 16 एसएसटी तथा वीएसटी दल सक्रिय हैं। जिनके द्वारा लगातार आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के खिलाफ जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई हैं।

भारत निवार्चन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक उदय नारायण दास तथा पुलिस प्रेक्षक शिवहरि मीना ने कलेक्टर कार्यालय में चल रही विभिन्न निर्वाचन संबंधी गतिविधियों का निरीक्षण किया और विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने पेड न्यूज मॉनिटरिंग सेल, निर्वाचन व्यय लेखा सेल, जिला कन्ट्रोल रूम, वीवीटी आदि कक्षों का निरीक्षण कर निर्वाचन संबंधी कार्यवाही को देखा।

मतदात जागरूकता अभियान के तहत रायसेन में स्वीप मैराथन का आयोजन

रायसेन। विधानसभा निर्वाचन-2023 में जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में मतदाता जागरूकता चलाया जा रहा है। जिसमें जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में स्वीप प्लान के तहत बुधवार को रायसेन में मैराथन आयोजित की गई, जिसे स्वीप नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह मैराथन प्रतियोगिता शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होते हुए जिला खेल परिसर स्टेडियम पहुंचकर समाप्त हुई। मैराथन में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को स्वीप कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु डॉ विजय सिंह रजिस्ट्रार रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रायसेन द्वारा टी-शर्ट प्रदान की गई। मैराथन में कु. मुस्कान लोधी ने प्रथम स्थान, कु शिखा ने द्वितीय स्थान एवं कु. लक्ष्मी अहिरवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरूष वर्ग में हर्षित रजक ने प्रथम स्थान, आदर्श वाल्मीकी ने द्वितीय स्थान एवं आलोक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अवध सुंदर शर्मा को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सचिव किया नियुक्त

सिरोंज । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ एवं मध्य प्रदेश महिला सेवा दल की

अध्यक्ष राजकुमारी रघुवंशी विदिशा जिले के प्रभारी अमित शर्मा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश कटारे की अनुशंसा पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अवध सुंदर शर्मा को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सचिव नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति पर बधाई देने में वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खान विनोद सेन अंसार खान जफर खान संजय चौरसिया सुयोग शर्मा इरशाद गोरी आदि लोगों ने बधाई दी।

'अपमिश्रित दुग्ध पदार्थों के थोक व खेरीज विक्रेताओं पर सख्त कार्यवाही करें'

विदिशा। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव के द्वारा आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा एवं जन स्वास्थ्य की दृष्टि से खाद्य सामग्री में मिलावट एवं कम नाप तौल तथा घरेलू गैस का व्यवसायिक प्रयोग किए जाने संबंधी जांच हेतु दल गठित कर जांच कार्यवाही कर अपमिश्रित दूध से बने दुग्ध पदार्थों के थौक व खेरीज निर्माता और विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त और शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश संबंधितों को दिए गए हैं।

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने गठित दल को निर्देश दिए हैं कि दूध तथा दुग्ध से बने पदार्थो की मैन्युफैक्चरिंग विक्रय केंद्र, दुकान आदि पर सर्च कार्यवाही की जाए। ऐसे परिसर जिनमें दूध या दुग्ध पदार्थों के मिश्रण की सामग्री जप्त होती है तो उन्हें शीघ्र सील्ड किया जाकर यदि लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन है तो उन्हें निलंबित किए जाने की कार्यवाही की जाए। जांच अधिकारी सैंपल एकत्रित करते हैं तो उन्हें बिना किसी देरी के नियमानुसार खाद्य प्रयोगशाला में जांच हेतु भेजा जाए। अपमिश्रित दूध से बने दुग्ध पदार्थ के थोक तथा खेरीज निर्माताओं, विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त तथा शीघ्र कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

के. डी. बी. एम. इंटरनेशनल स्कूल में मतदाताओं को जागरूक करने नुक्कड़ नाटक का मंचन व रैली निकाली गई

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

के.डी. बी. एम. इंटरनेशनल विद्यालय में नैतिक और अनिवार्य मतदान हेतु लोगों को प्रेरित करने के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया तथा शहर में रैली निकाली गई7 जिसमें बच्चों ने मतदान करने के फायदों का वर्णन किया। नुक्कड नाटक में बताया गया कि हमे अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए7 जिससे एक सफल और अच्छी सरकार बनायी जा सके। अच्छी सरकार ही देश को आगे बढाते हुए आम आदमी के हितों का ध्यान रखती है। सही मतदान से एक अच्छे उम्मीदवार का चयन होता है7एक वोट से एक अच्छा उम्मीदवार जीत भी सकता हैं और एक वोट न डालने से हार भी सकता है7 प्रधानाचार्य

श्री मनोज तिवारी ने छात्रों को मतदाता जागरूकता के बारे में संबोधित करते हुए बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। तथा बच्चों को अवगत किया कि वे अपने घर मे तथा अपने पड़ोस में सभी को मतदान करने के लिए अवश्य प्रेरित करे 7 कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक रिंकेश जैन द्वारा किया गया। नाटक में अच्छा योगदान देने वाले सभी छात्र मानस चौरसिया, अभय दांगी, सन्नी सुमन, नितिन राजपूत, हर्ष यादव, जतिन रघुवंशी, प्रयाग लखपती, अभय यादव, पराग श्रीवास्तव, शौर्य प्रताप सिंह राजपूत को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा7 तथा विद्यालय के शिक्षक शांताराम मराठा , रिंकेश जैन, कृष्णा कुमार, सौरभ शर्मा , भागीरथ कुर्मी, सौरभ श्रीवास्तव, सुजीत कुशवाह , राजकुमार दांगी, अंजु निगम, नेहा श्रीवास्तव, मंजू लता सेन आदि मौजूद रहे।

डोर टू डोर प्रचार अभियान को जा रहे भाजपा कार्यकर्ता

महिलाओं के खाते में राशि आने के बाद खिल उठे चेहरे, बहनाओं का आशीर्वाद मांग रहे प्रत्याशी

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

दीपावली त्यौहार के पहले शिवराज सरकार द्वारा प्रदेश की लाडली बहना योजना की हितग्राही महिलाओ के खाते में राशि पहुँचने से खासा उत्साह दिखाई दी इसकी बानगी बुधवार को नगर के साथ ग्रामीण अंचल में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे कार्यकर्ताओं को दिखाई दी। डोर टू डोर प्रचार अभियान को जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को लाडली बहनाओ ने खूब आशीर्वाद देते हुए सरकार का धन्यवाद भी किया।

बुधवार को भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा के लिए वार्ड 17 में भाजपा कार्यकर्ता जब जनसपंर्क के लिए पहुँचे तो परिवारों में महिलाओं की खुशी अलग ही झलक रही थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने जो कहा वह करके दिखाया है त्यौहार के पहले पैसे आ जाने से अब हमारी दीवाली ओर अच्छे से मन जाएगी। जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर सिरोंज शहर में हो रहे विकास कार्यों की निरंतरता के लिए भाजपा की सरकार बनाने के लिए मतदान करने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ता भाजपा सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं से भी अवगत करा रहे हैं। भाजपा नेता रमेश यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास की न सिर्फ रणनीति बनाई बल्कि धरातल पर साकार करके दिखाया भी है इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरिबाबू भार्गव,मंडल अध्यक्ष पारस तारण ,मनमोहन साहू,मनोज साईंनाथ पार्षद हरिचरण अहिरवार, टीकाराम शाक्य,रिंकू यादव,कैलाश यादव,सीताराम कुशवाह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में सक्रिय है बेटियां

भाजपा प्रत्याशी उमाकान्त शर्मा के लिए ग्रामीण क्षेत्रों की कमान भाजपा नेताओं के साथ पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के बेटियों ने दामादों के साथ संभाल रखी है। वह ग्रामीण क्षेत्र के गाँव मे घर घर जाकर अपने पिता लक्ष्मीकांत शर्मा द्वारा पूर्व में कराए गए विकास कार्यों के साथ उनके सपनों को पूरा करने में लगे चाचा उमाकान्त शर्मा को वोट देकर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने की अपील कर रही है।

मदन मोहन सरकार पर कार्तिक महोत्सव में आकाश दीपदान कार्यक्रम उत्सव पूर्वक मनाया गया

सिरोंज। नगर के प्रसिद्ध मंदिर मदन मोहन सरकार मंदिर पर कार्तिक महोत्सव आकाश दीपदान किया जा रहा है। सरकार की विशेष आरती के बाद कई तरह के पकवानों भोग भगवान को लगय जाता है। साथ ही कार्तिक मास की कथा का वर्णन पंडित नवनीत महाराज ने कहा कि जब

जलन्धर को फिर आता हुआ देख इन्द्रादि देवता- गण भय से विह्वल होकर विष्णु भगवान् की स्तुति करने लगे । है भगवन आपने कितने ही अवतार धारण कर अपने भक्तों के अनेक कार्य किये हैं। और सर्वदा उनके दुःखों का नाश किया है तथा ब्रह्मा विष्णु और शिव के स्वरूप को धारण कर संसार की उत्पत्ति, पालन तथा संहार किया हैं, गदा, शङ्ख, पद्म और तलवार अपने हाथों में धारण किये हैं, ऐसे भगवान् आपको प्रणाम हैं, दैत्यों के विनाश करने वाले, गरुड़ पर सवारी करने वाले, हे पीताम्बरधारी, हम सब आपको बारम्बार प्रणाम करते हैं। नारद जी बोले जो प्राणी इस सङ्कट को नाश करने वाले स्तोत्र का नियम से पाठ करता है वह भगवान विष्णु की कृपा से कभी भी दुःख से दुःखित नहीं होगा 7 वहीं

मंगला आरती के बाद नमकीन दाल का भोग लगाया गया साथ ही केसर दूध, फल, तांबूल, मगध, दही, रबड़ी, मेवे का भोग लगाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद थे।

मेट्रो एंकर पटाखों के उपयोग के संबंध में जन-जागरूकता के लिए निर्देश जारी

दीपावली पर्व पर पटाखों के उपयोग के संबंध में याद दिलाए नियम

रायसेन ,दोपहर मेट्रो

सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा दीपावली पर्व के दौरान पटाखों के उपयोग एवं प्रस्फोटन के संबंध में जन-जागरूकता के लिए निर्देश जारी किए हैं। रायसेन शहर की ए.क्यू.आई 138.57 पाई गई है जो कि मध्यम श्रेणी के तहत है। माननीय न्यायालय के आदेशानुसार रायसेन शहर की एक्यूआई मध्यम श्रेणी की होने के कारण रायसेन में हरित पटाखों के अलावा अन्य पटाखें प्रतिबंधित रहेंगे तथा हरित पटाखों का उपयोग दीपावली पर्व के समय रात्रि 08 बजे से 10 बजे तक किया जा सकता है।

दीपावली प्रकाश का पर्व है। दीपावली पर्व के दौरान विभिन्न पटाखों का उपयोग बडी मात्रा में किया जाता है। पटाखों के निर्माण में विभिन्न प्रकार के केमिकल्स का उपयोग होता है। ज्वलनशाल एवं ध्वनि कारक पटाखों के कारण परिवेशीय परिवेशीय वायु में प्रदूषक तत्वों एवं ध्वनि स्तर में वृद्धि होती है। विभिन्न भौगौलिक गतिविधियों के कारण ठंड के मौसम में वायु का डिस्पर्सन वायुमण्डल में अधिक ऊँचाई तक नही होने के कारण परिवेशीय वायु में वायु प्रदूषक तत्वों स्तर बढ जाता है, जो मानव स्वास्थ एवं पर्यावरण के लिये हानिकारक है। जन स्वास्थ की सुरक्षा एवं वायु प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा डब्ल्यू. पी. (सी) क्रमांक 728/15 में जारी आदेश दिनांक 29/10/2021 एवं माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, सेन्ट्रल जोन भोपाल द्वारा ओए नं.-76/2021 में जारी आदेश दिनॉक 27/10/2021 को पटाखों के निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण एवं प्रस्फोटन के संबंध में मानक संचालक प्रक्रिया निर्धारित की गई है। ऐसे शहर जहॉ वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब (AQI 201-300), बहुत खराब (AQI 301-400) अथवा गंभीर (AQI 401-500), श्रेणी में पाये जाने पर वहॉ पर

फाइल फोटो

सभी प्रकार के पटाखों के बिक्री अथवा उपयोग पर सम्पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे शहर जिनकी वायु गुणव्ता सूचकांक Moderate (AQI 101.200), श्रेणी की पायी गई है। वहॉ केवल हरित पटाखों की ही बिक्री एवं उपयोग किया जा सकेगा, जिनकी तीव्रता प्रस्फोटन स्थल से 4 मीटर की दूरी पर 125 डी. बी. (ए) से अधिक शोर उत्पन्न करने वाले तथा लडी (जुडे हुए पटाखों) का निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण एवं प्रस्फोटन भी प्रतिबंधित है।

दीपावली पर्व के समय रात्रि 08:00 बजे से 10:00 बजे तक ग्रीन पटाखों का उपयोग सिर्फ उन शहरों में किया जा सकेगा, जहॉ कि वायु गुणवत्ता सूचकांक मध्यम अथवा उससे कम (Moderate or Below) श्रेणी की है। रायसेन शहर की ए.क्यू.आई (138.57) पायी गया है। जो मध्यम (Moderate) श्रेणी के तहत है। अतः माननीय न्यायालय के आदेशानुसार हरित पटाखों के अलावा अन्य पटाखें प्रतिबंधित रहेंगे तथा हरित पटाखों के उपयोग की समय-सीमा भी रात्रि 08 बजे से 10 बजे तक निर्धारित है।

न्यूजीलैंड-श्रीलंका में भिड़ंत, कीवी जीते तो सेमीफाइनल लगभग तय

बेंगलुरु, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में आज से करो या मरो स्टेज के मुकाबले शुरू हो रहे हैं। न्यूजीलैंड 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के बाद 8 पॉइंट्स लेकर पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर है। सेमीफाइनल में 3 टीमें पहुंच चुकी हैं, आज जीतने पर न्यूजीलैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बढ़ जाएंगी। जबकि श्रीलंका 8 मैचों में 2 जीत से 4 पॉइंट्स लेकर 9वें नंबर पर है। टीम आज का मैच जीतकर चैंपियंस ट्रॉफी में क्वालिफाई करना चाहेगी।

न्यूजीलैंड की 4 मैचों में मिली हार

वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को पहले ही मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया था। इसके बाद टीम ने बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नीदरलैंड को भी हराया। कीवी टीम 4 लगातार जीत के बाद पॉइंट्स टेबल के टॉप पर थी लेकिन यहां से उन्हें 4 लगातार हार का सामना करना पड़ा। उन्हें भारत, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान ने हरा दिया। पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर मौजूद न्यूजीलैंड टीम आज का मैच जीतकर सेमीफाइनल में क्वालिफाई कर सकती है। क्योंकि टीम के 8 पॉइंट्स हैं और उनका रन रेट नॉकआउट की रेस में शामिल पाकिस्तान और अफगानिस्तान से बेहतर है। आज अगर टीम जीत गई तो 10 पॉइंट्स के साथ अपने क्वालिफिकेशन के चांस बढ़ा लेगी। हारने की स्थिति टीम चाहेगी कि पाक और अफगान टीम भी अपने-अपने मैच हार जाए ताकि बेहतर रन रेट के आधार पर वो क्वालिफाई कर सके।

रचिन रवींद्र टीम के टॉप परफॉर्मर

कीवी कप्तान केन विलियमसन चोट से उबरने के बाद पिछले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ वापसी कर चुके हैं। उन्होंने 95 रन की पारी खेलकर टीम को 400 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया था। आज का मुकाबला भी बेंगलुरु में ही है, पिछले मुकाबले में स्पिनर्स की खूब पिटाई हुई थी, इसे देखते हुए ईश सोढी की जगह काइल जेमिसन को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। 23 साल के युवा ऑलराउंडर रचिन रवींद्र टूर्नामेंट में टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम 523 रन हैं। वहीं लेफ्ट आर्म स्पिनर मिचेल सैंटनर टीम के टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 14 विकेट हैं। टूर्नामेंट के पहले से इंजर्ड खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही श्रीलंका टीम 8 में से 2 ही मुकाबले जीत सकी है। उन्होंने इंग्लैंड और नीदरलैंड को हराया। टीम टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज से तो बाहर हो चुकी है लेकिन आज का मैच जीतकर उनके 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में क्वालिफाई करने की उम्मीदें जिंदा रहेंगी।

टेबल टॉप पर इंग्लैंड नंबर-7 पर पहुंचा

नीदरलैंड के खिलाफ जीत ने इंग्लैंड की सांसें लौटा दी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत में चल रहे वनडे वर्ल्ड कप में इस समय दो तरह की रेस चल रही है। एक रेस है टॉप-4 की। इसमें जगह बनाने वाली टीमें टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। वहीं, दूसरी रेस चल रही है टॉप-8 की। इसमें जगह बनाने वाली टीमें 2025 में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी भागीदारी तय करेगी। इंग्लैंड की टीम शुरुआती 7 में से 6 मुकाबले हारकर 10वें स्थान पर चल रही थी।

2 स्पॉट के लिए 4 टीमें रेस में

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बचे 2 स्पॉट के लिए वर्ल्ड कप खेल रहीं 4 टीमों में रेस है। इनमें 2019 की वर्ल्ड कप विनर इंग्लैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका और नीदरलैंड शामिल हैं। चारों टीमों के इस वक्त 4-4 पॉइंट्स हैं और सभी का 1-1 मैच ही बाकी है। आखिरी मैच जीतने वाली टीम के 6 पॉइंट्स होंगे, अगर सभी टीमें अपना आखिरी मैच जीत गई तो बेहतर रन रेट रखने वाली 2 टीमें क्वालिफाई कर जाएंगी। वहीं आखिरी मैच हारने वाली टीम के क्वालिफाई नहीं कर पाने के चांस ज्यादा हो जाएंगे। पॉइंट्स टेबल में फिलहाल इंग्लैंड नंबर-7, बांग्लादेश नंबर-8, श्रीलंका नंबर-9 और नीदरलैंड नंबर-10 पर है। 4-4 पॉइंट्स होने के बाद बावजूद टीमों की रैंकिंग नेट रन रेट में अंतर होने के कारण अलग-अलग है।

2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में 15 मैच होंगे

साल 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान और 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी भारत में खेली जाएगी। दोनों में पिछले 2 टूर्नामेंट की तरह 8 टीमें होंगी। इन्हें 4-4 टीमों के 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज में 12 मैचों के बाद 2 सेमीफाइनल और एक फाइनल मिलाकर टूर्नामेंट में कुल 15 मुकाबले होंगे। बता दें 2017 में आखिरी बार इंग्लैंड में चैंपियंस ट्रॉफी हुई थी, टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराकर खिताब जीता था। पहले 2013 में भारत ने टूर्नामेंट जीता था, टीम ने इंग्लैंड को फाइनल हराया था। ये टूर्नामेंट वैसे तो 4 साल में एक बार होना तय है, लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते इसे 2021 में आयोजित नहीं किया गया। टूर्नामेंट 1998 में शुरू हुआ था, 2006 तक इसे हर 2 साल में एक बार खेला गया।

वर्ल्ड कप में टीमों को क्वालिफाई करने के लिए यह करना होगा

नीदरलैंड- 12 नवंबर को बेंगलुरु में टीम का आखिरी मैच भारत से होगा। इस मुकाबले को जीतने पर टीम के 6 पॉइंट्स होंगे, यहां टीम चाहेगी कि बांग्लादेश, श्रीलंका और इंग्लैंड में से कोई 2 टीमें अपना आखिरी मैच हार जाए। इस सिचुएशन में टीम 6 पॉइंट्स के साथ 7वें या 8वें नंबर पर रहेगी और क्वालिफाई कर जाएगी। भारत से हारने पर टीम बाहर हो जाएगी क्योंकि बाकी 3 टीमों के मुकाबले नीदरलैंड का रन रेट सबसे खराब है। **बांग्लादेश-** 11 नवंबर को पुणे में टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। इस मुकाबले को जीतने पर टीम के 6 पॉइंट्स होंगे, यहां टीम चाहेगी कि नीदरलैंड, श्रीलंका और इंग्लैंड में से कोई 2 टीमें अपना आखिरी मैच हार जाए। इस सिचुएशन में बांग्लादेश 6 पॉइंट्स के साथ 7वें या 8वें नंबर पर रहेगा और टीम क्वालिफाई कर जाएगी। ऑस्ट्रेलिया से हारने पर टीम चाहेगी कि बाकी 3 टीमें भी अपना-अपना मैच हार जाए। क्योंकि बांग्लादेश इस वक्त रन रेट के कारण 8वें नंबर पर है और इस पोजिशन पर रहकर टीम क्वालिफाई कर जाएगी। **श्रीलंका-** 9 नवंबर (आज) को बेंगलुरु में टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मुकाबले को जीतने पर टीम के 6 पॉइंट्स होंगे, यहां टीम चाहेगी कि बांग्लादेश, नीदरलैंड और इंग्लैंड में से कोई 2 टीमें अपना आखिरी मैच हार जाए। इस सिचुएशन में टीम 6 पॉइंट्स के साथ 7वें या 8वें नंबर पर रहेगी और क्वालिफाई कर जाएगी।

3 दिन 3 मैच विजेता 1

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

दीपावली पर्व के दौरान भारतीय सरजमीं पर क्रिकेट वर्ल्डकप जैसे क्रिकेट के बड़े टूर्नामेंट में भी धूम धड़ाका अपने आखिरी चरण में है।उत्तर चढ़ाव से भरपूर इस टूर्नामेंट का हर एक मैच बहुत ही शानदार हो रहा है।अब वर्ल्डकप के ग्रुप स्टेज का आखिरी पड़ाव चल रहा है।लीग चरण के 40 मैचों के बाद सेमीफाइनल के लिए 4 में से 3 टीमें भी तय हो चुकी हैं।सेमीफाइनल की चौथी टीम की जंग का आगाज आज बेंगलुरु में होने वाले न्यूज़ीलैंड -श्रीलंका मैच से आने वाले 3 दिनों तक अगर मगर के रोमांचक गणित के साथ शुरू होगा।सेमीफाइनल की बची हुई तीनों दावेदार टीमों की भिड़ंत उन टीमों से होना है जिनका वर्ल्ड कप का सफर इन मैचों के रिजल्ट से प्रभावित नहीं होने वाला है।मजेदार बात यह भी है कि दावेदार तीनों टीमों की हार भी नेट रनरेट के गणित को दिलचस्प बना सकता है।मतलब अगर इन मैचों में किसी टीम को हार मिलती तो फिर तो फिर उसकी आस बची हुई दावेदार टीमों की हार से रहेगी।वहीं अगर तीनों टीमें अपने मुकाबले जीतने मेकाम्यब होती हैं तो फिर भारत से सेमीफाइनल में भिड़ने वाली टीम का फैसला नेट रनरेट करेगा।वैसे इस रोमांचक दौर के मैचों में पाकिस्तान टीम फिलहाल सबसे सुखद स्थिति में है क्योंकि उसका इंग्लैड से होने वाले मैच के पहले सेमीफाइनल के सारे गणित मालूम रहेंगे।देखना यह रोचक रहेगा कि पाकिस्तान की टीम इसका कितना फायदा उठा पाती है।वैसे आज होने वाले मैच में श्रीलंका की जीत की दुआ पाकिस्तान टीम के साथ तामाम आयोजक व प्रायोजक भी करने वाले हैं।इसकी खास वजह क्रिकेट के किसी भी बड़े टूर्नामेंट में कई बार भारत-पाक भिड़ंत का रोमांच कहा जा सकता है।अब देखना यह है कि 3 दिन में होने वाले3 मैचों में से 1 विजेता बन कर कौन सी आती है,जिसको सेमीफाइनल का टिकट मिलता है।

मनिका वर्ल्ड रैंकिंग में 31वें पायदान पर

शरत कमल टॉप-100 में, मिक्स्ड डबल्स में मनिका-साथियान की रैंकिंग गिरी

लुसाने, एजेंसी। टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग में 31वें रैंक पर पहुंच गई हैं। यह उनके करियर का बेस्ट रैंकिंग भी है। इससे पहले मनिका 33वें स्थान पर पहुंची थी। वहीं मनिका और साथियान को मिक्स्ड डब्ल्स रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 10वें स्थान पर खिसक गए हैं। मनिका के अलावा कोई भारतीय खिलाड़ी टॉप 50 में जगह नहीं बनाया पाया है। श्रीजा अकुला को तीन स्थान का नुकसान हुआ है और वह 82वें रैंक पर पहुंच गई हैं। फायदा मनिका बत्रा को एशियन गेम्स और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस टूर्नामेंट में अपने करियर का बेस्ट प्रदर्शन का फायदा मिला है।

मेट्रो बाजार

भारतीय कंपनी एयरबस के कॉमर्शियल एयरक्राट्स के पार्ट्स बनाएंगी

नईदिल्ली, एजेंसी

फ्रांस की एयरोस्पेस कंपनी एयरबस ने 4 भारतीय कंपनियों के साथ एयरक्राट के कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के लिए कंट्रैक्ट साइन किया है। डील के मुताबिक, महिंद्रा एयरोस्पेस, एक्वस प्राइवेट लिमिटेड, डायनामैटिक और गार्डनर कंपनी के लिए एयर फ्रेम और विंग के पार्ट्स बनाएंगी। कंपनी की ओर से जारी स्टेटमेंट के मुताबिक, ये कंपोनेंट्स एयरबस के 320-नियो, 330-नियो और 350 एयरक्राट्स के लिए बनाए जाएंगे। कंपनी पहले से ही भारत से 6,242 करोड़ के कंपोनेंट हर साल खरीदती है। इस डील के बाद इसमें बड़ा इजाफा होने की उमीद है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में एयरबस ने टाटा एडवांस्ड सिस्टस के साथ 320 नियो फैमिली के कार्गो और बल्क कार्गो डोर मैन्युफैक्चरिंग के लिए डील की थी। एयरबस के भारत और साउथ एशिया के प्रेसिडेंट रेमी माइलार्ड ने कहा- एयरोस्पेस के क्षेत्र में भारत को दुनिया में जगह दिलाने के लिए हम जरूरी ईकोसिस्टम तैयार करने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा- एयरबस के लिए भारत केवल एक बाजार नहीं, बल्कि एयरोस्पेस कंपोनेंट एंड सर्विस और ह्यूमन रिसोर्स का हब है। इस साल की शुरूआत में टाटा ग्रुप की एयर लाइन एअर इंडिया ने 470 एयरक्राट की दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील साइन की थी। इस डील में एअर इंडिया को फ्रांस की कंपनी एयरबस से 250 एयरक्राट और अमेरिकी कंपनी बोइंग से 220 एयरक्राट मिलेंगे। इससे पहले दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील का रिकॉर्ड अमेरिकन एयरलाइंस के नाम था।

रॉयल एनफील्ड की इलेक्ट्रिक बाइक होगी अनविल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय बाइक मेकर कंपनी रॉयल एनफील्ड ने इटली के एक इवेंट में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कॉन्सेप्ट बाइक को अनवील किया है। कंपनी ने दावा किया है कि इलेक्ट्रिक हिमालयन यूचर के लिए सस्टेनेबल एक्सप्लोरेशन की एक नई एक्सप्रेशन है। यह एक इमेजिनेशन प्रेजेंटेशन है कि भविष्य की रॉयल एनफील्ड इलेक्ट्रिक एडवेंचर टूरर बाइक किस तरह दिख सकती है। कंपनी ने कहा कि डिजाइन टीम का फोकस ऐसी बाइक बनाने पर है जो राइडर के साथ-साथ एनवायरमेंट के स्ट्रेस को कम करे। कंपनी ने न्यू बैटरी पैक के साथ इलेक्ट्रिक एडवेंचर टूरर बाइक के ओवरऑल पैकेज को री-डिजाइन किया है, जो मेन स्ट्रेचर एलिमेंट के रूप में काम करता है। कंपनी ने जेनेरिक डिजाइन को तैयार करने और ऑर्गेनिक लैक्स फाइबर कंपोजिट बॉडीवर्क जैसी नए मटेरियल को शामिल करने का दावा किया है। इलेक्ट्रिक हिमालयन में एक गोल्डन यूएसडी फोर्क है, जो रॉयल एनफील्ड की बाइक में पहली बार होंगे। इसमें दो एडजस्टेबल ओहलिन्स गैस-चार्ज्ड मोनोशॉक मिलते हैं। ब्रेकिंग के लिए दोनों टायर में डिस्क ब्रेक मिलते हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अंकिता बोलीं- सुशांत गुस्सा नहीं करते थे, काम के प्रति जुनूनी थे

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बिग बॉस शो के लेटेस्ट एपिसोड में सुशांत सिंह राजपूत को याद करके रोने लगी हैं। अभिषेक कुमार के साथ बातचीत में उन्होंने कहा है कि सुशांत बहुत ही ज्यादा मेहनती थे और उन्हें सुशांत पर गर्व है। अंकिता के लिए आज भी वो फैमिली की तरह हैं। उन्होंने ये भी बताया है कि ट्रोलिंग से किस कदर सुशांत इफेक्ट होते थे। बिग बॉस 17 के लेटेस्ट एपिसोड में अंकिता दिवंगत सुशांत को याद कर भावुक हो गईं। दरअसल, वो गार्डन एरिया में अभिषेक कुमार के साथ बैठी थीं। बातचीत के दौरान उन्होंने अभिषेक से कहा- जब तुम बिना शर्ट के सिर्फ पैंट में घूमते हो, तो तुम्हें देख कर मुझे सुशांत की याद आती है। उसका भी फीजिक ऐसा ही था। इस पर अभिषेक ने कहा- हम दोनों की जर्नी एक जैसी है, बैकग्राउंड भी एक जैसा है। फिर अंकिता ने आगे कहा- लेकिन वो तुम्हारे जितना गुस्सा नहीं करता था। सुशांत बहुत शांत था। वो बहुत मेहनती भी था। हद से ज्यादा मेहनत करता था। वो अपने काम के प्रति बहुत ज्यादा समर्पित और जुनूनी था। पर जब आप इतने ऊंचाई पर होते हैं, तो थोड़े बहुत उतार-चढ़ाव आपको इफेक्ट करते हैं।

लोगों की सोच सुशांत को इफेक्ट करती थी

अंकिता ने कहा- सुशांत उस चीज में बहुत घुस जाता था, उसे जो भी चीज चाहिए होती थी। थोड़ा सा भी ऊपर नीचे हो जाता था, तो वो चीजें उसे इफेक्ट करती थीं। ट्विटर पर लोग उसके बारे में क्या सोचते थे, वो सारी चीजें भी उसे परेशान करती थीं। वो लोगों के बारे में बहुत सोचता था। ये चीजें नॉर्मल थीं क्योंकि वो एक छोटी जगह से आता था। जगह-जगह नाम कमाना आसान नहीं होता है। अभिषेक से सुशांत से जुड़ी ये सारी बातें करते हुए अंकिता रोने लगीं। अभिषेक कहते हैं- मैंने सोचा था कि मैं इस टॉपिक पर आपसे से कभी बात नहीं करुंगा। इस पर वो कहती हैं- कोई बात नहीं। उसके बारे में बात करना अच्छा ही लगता है। मुझे उस पर गर्व है। वो मेरे लिए फैमिली है। अंकिता और सुशांत को 2009 में जीटीवी के शो 'पवित्र रिश्ता' में लीड रोल मिला था। 2009 में शुरू हुआ यह शो 2014 में ऑफ-एयर हुआ था। अंकिता और सुशांत को 2009 में जीटीवी के शो पवित्र रिश्ता में लीड रोल मिला था। 2009 में शुरू हुआ यह शो 2014 में ऑफ-एयर हुआ था।

'मन्नत' खरीदने के लिए शाहरुख 6 लाख में एड करने हुए थे राजी

ऐड बनाने वाले फेमस डायरेक्टर प्रह्लाद कक्कड़ ने शाहरुख खान और आमिर खान के बारे में एक दिलचस्प बात बताई है। प्रह्लाद ने कहा कि उन्हें एक ऐड वीडियो के लिए एक्टर की तलाश थी। किसी ने उन्हें आमिर खान के बारे में बताया। आमिर 25 लाख रुपए ऐड की फीस बता रहे थे। हालांकि उसी ऐड के लिए जब शाहरुख खान से संपर्क किया तो वे सिर्फ 6 लाख रुपए में डील करने को रेडी थे। दरअसल शाहरुख उस वक्त एक किराए के मकान में रहते थे। शाहरुख को घर खरीदना था और इसके लिए उनके पास पैसे कम पड़ रहे थे। इसी वजह से शाहरुख 6 लाख में ऐड करने को तैयार थे। 'मन्नत' को शाहरुख ने 2001 में बाई खोरशेद भानू संजना ट्रस्ट से लीज पर 13.32 करोड़ में खरीदा था। चार साल तक चले इसके रिनोवेशन के बाद इसे मन्नत नाम दिया गया। मुंबई स्थित फकीह एंड एसोसिएट्स ने 6,000 वर्ग फीट के इस बंगले को संवारा है। शाहरुख-गौरी के इस बंगले का ढांचा 20वीं सदी के ग्रेड-3 हेरिटेज का है, जो चारों तरफ खुलता है। आसमान की ओर, पीछे की ओर और किनारे की ओर। 6 मंजिला मन्नत में शाहरुख खान का परिवार महज 2 मंजिलों में ही रहता है।

फिल्म रिलीज के पहले ही 'एनिमल' ने बनाया रिकॉर्ड

रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' ने अभी से रिकार्ड बना लिया है। ये फिल्म अमेरिका की 888 से भी ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज की जाएगी। बता दें, शाहरुख खान की जवान को 850 स्क्रीन मिली थीं, वहीं रणबीर की ब्रह्मास्त्र 810 स्क्रीन पर दिखाई गई थी। एनिमल इतने बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई है। फिल्म में रणबीर कपूर खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म की कहानी बाप और बेटे के रिश्ते के बैकड्रॉप पर बेस्ड है। टीजर में बॉबी देओल भी बड़े खतरनाक लुक में दिख रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर और साउथ की स्टार रश्मिका मंदाना पहली बार साथ काम करते दिखेंगे। ये फिल्म संदीप रेड्डी वांगा ने बनाई है। एनिमल 1 दिसंबर को थिएटर्स में पांच भाषाओं में रिलीज होगी. बता दें, कुछ दिन पहले न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर भी एनिमल का टीजर दिखाया गया था। टाइम्स स्क्वायर अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहैटन एरिया का पॉपुलर चौराहा है। ये दुनिया के सबसे बिजी पेडेस्ट्रियन में से एक है जहां अनगिनत संख्या में डिजिटल होर्डिंग लगे हुए हैं, जिसकी वजह से ये एरिया हमेशा जगमगाता रहता है। अमेरिका में इसे सेंटर ऑफ द यूनिवर्स भी कहा जाता है।

महिला को परेशान कर रहे युवक पर छेड़छाड़ का केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। आरोपी पिछले करीब दो साल से महिला को परेशान कर रहा था। वह बातचीत के लिए दबाव बनाता था और फोन नहीं रसीव करने पर जातसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए जान से मारने की धमकी देता था। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 28 वर्षीय महिला गृहणी है। मोहल्ले में काम के लिए आने वाले गोलू नामक युवक को वह कई सालों से जानती है, इस कारण से पहले बातचीत कर लिया करती थी। पिछले करीब दो साल से महिला ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया तो वह आते-जाते पीछा कर उसे परेशान करने लगा। महिला ने उसे कई बार सझाईश दी, लेकिन जब गोलू की हरकते बंद नहीं हुई तो उसने थाने जाकर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

अवैध हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर पुलिस ने एक अवैध हथियार के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाला नीरज मिश्रा सूचीबद्ध गुंडा है। उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में करीब चालीस अपराध दर्ज हैं। आरोपी मारपीट के एक मामले में पिछले दो महीने से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट भी जारी था। मंगलवार को फरार बदमाश नीरज को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में फरार चल रहे उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस स्टाफ के साथ सशस्त्र बल ने किया इलाके का भ्रमण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर छोला मंदिर पुलिस ने सशस्त्र बल के साथ इलाका पैदल भ्रमण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस और बल के जवानों ने कैंची छोला मार्केट, नवजीवन कालोनी, ब्लूमन कालोनी, न्यू शंकर नगर बस्ती, अटल नेहरू नगर, राम मंदिर चौराहा, पटेल नगर और भानपुर समेत विभिन्न इलाकों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था बनाई।

लापता नाबालिग को पुलिस ने सकुशल बरामद किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस ने एक नाबालिग को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाला 17 वर्षीय किशोर करीब एक महीने पहले घर से बगैर बताए लापता हो गया था। परिजनों की सूचना पर उसके अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। मंगलवार को उसे सकुशल दस्तयाब कर घरवालों को सौंप दिया गया है।

पुलिस को मौके से नहीं मिला सुसाइड नोट

निशातपुरा व शाहपुरा में दो युवकों ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित देशवाली कॉलोनी में बुधवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार पंकज जैन पिता आनंद जैन (22) देशवाली कॉलोनी निशातपुरा में रहता था। उसके पिता अलग रहते हैं, जबकि पंकज अपने भाई और मां के साथ यहां किराए के मकान में रह रहा था। मां गृहणी है और पंकज और उसका भाई कपड़े की दुकान में काम करते थे। करीब दो महीने से पंकज ने काम छोड़ दिया था और शराब पीने लगा था। पंकज की मां ने बताया कि वह अंदर किचन में काम कर रही थी, जबकि छोटा बेटा दुकान पर काम करने गया था। इस दौरान रात करीब 9 बजे के आसपास पंकज ने सामने वाले कमरे में फांसी लगा ली। वह बाहर वाले कमरे में पहुंची तो उसने पंकज के फांसी के फंदे पर लटका देखा था। मां पड़ोसियों की मदद से उे फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में उसे मृत घोषित कर दिया। इधर शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित बाबा नगर में बुधवार शाम एक मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि करण उइके पिता अमरलाल उईके (28) बाबा नगर में पत्नी और चार बच्चियों के साथ रहताड़था। करण मजदूरी करता था। बुधवार शाम उसकी पत्नी बच्चियों को कोचिंग लेने जा रही थी। इससे पहले वह पड़ोस में रहने वाले अपने मायके चली गई। इधर घर में करण अकेलाड़था और शाम करीब 5 बजे के आसपास उसने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही पत्नी अपने भाई की मदद से करण को लेकर अस्पताल पहुंची, वहां डॉक्टर ने बताया कि करण की मौत हो चुकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। परिजन ने बताया कि करण शराब पीने का आदी था।

जेसीबी ऑपरेटर की लापरवाही

कॉलेज कैंपस में खड़े पांच दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित सेज यूनिवर्सिटी कैंपस में जेसीबी आपरेटर की लापरवाही से छात्र समेत पांच लोगों के दो पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना एक सप्ताह पुरानी बताई जा रही है। दरअसल, छात्र ने शिकायत करने की बात कही तो जेसीबी के मालिक ने वाहनों को ठीक कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन जब वह वाहनों को ठीक कराने से मुकर गया तो छात्र ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार केशव गौतेल पिता रमेश गौतेल (21) दीपमोहिनी, खजुरी कला, पिपलानी में रहता है और सेज युनिवर्सिटी में बी.काम कम्प्युटर की पड़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को बताया कि गत 30 अक्टूबर की सुबह वह यूनिवर्सिटी गया था। वहां उसने अपनी होंडा एक्टिवा केंटिन के सामने पार्क की और क्लास रूम में चला गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे वह क्लास से केंटिन के पास पहुंचा तो युनिवर्सिटी में काम करने वाली जेसीबी मशीन के आपरेटर ने अपनी जेसीबी मशीन को तेजी व लापरवाही पूर्वक लाया और अचानक रिवर्स गियर लगाकर जेसीबी मशीन को घुमा दिया। इससे वहां खड़ी केशव की एक्टिवा समेत वहां खड़े चार अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। जिन लोगों के वाहन क्षतिग्रस्त हुए थे उन्होंने जेसीबी के आपरेटर को रोक लिया और यूनवर्सिटी के प्रबंधन को घटना की जानकारी दी। इसके बाद जेसीबी का मालिक पहुंचा और समझौता करने की बात कहने लगा। उसने कहा था कि मैं सभी की गाड़िया ठीक करा दूंगा। अब जेसीबी के मालिक ने गाड़ी ठीक कराने से इंकार दिया।

खाने में बैंगन की सब्जी देख पति हुआ नाराज, पत्नी पर छुरी से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित मल्टी वाजपेयी नगर में बेगन की सब्जी देख शराब पति ने पत्नी से मारपीट की और किचन में रखी छुरी से हमला कर दिया। छुरी से महिला की अंगूठे में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार संगीता राठौर पति राजू कीर (40) मल्टी वाजेपयी नगर, ईदगाह हिल्स शाहजहांनाबाद में रहती है। वह गृहणी है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि हाउस कीपिंग का काम करती है। मंगलवार रात वह घर पर थी। इस दौरान पति राजू शराब के नशे में घर पहुंचा। उसने किचन में रखा खाना देखा तो उसे बैगन की सब्जी नजर आई। इस बात से वह नाराज हो गया और घर का सामान फेंकने लगा। सब्जी देखकर वह इस कदर नाराज हुआ कि उसने पत्नी से गालीगलौज शुरू कर दी। पत्नी ने गालीगलौज और शोर शराब करने से मना किया तो राजू किचन से सब्जी काटने वाला चाकू ले आया और मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से संगीता के हाथ का अंगूठा कटा है। पुलिस ने संगीता की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की

चोरी और नकबजनी के मामलों में फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी पुलिस ने चोरी और नकबजनी के मामलों में फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है. आरोपी के खिलाफ न्यायालय से दो स्थाई और एक गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। उसके खिलाफ भोपाल के अलावा होशंगाबाद और सीहोर के थानों में कुल 37 अपराध पहले से दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी विकास राजपूत (38) निवासी भोपाल नाका, चाणक्यपुरी सीहोर हाल पता नरेश शंकरी अयोध्या बायपास के खिलाफ स्थाई और गिरफ्तारी वारंट जारी थी। पुलिस टीम आरोपी की लंबे समय से तलाश कर रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि विकास भोपाल आया हुआ है। पुलिस टीम ने नरेला शंकरी स्थित उसके घर पर दबिश दी तो वह मिल गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी दूसरे जिलों की पुलिस को भी दी जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किशोर की मौत, एक अन्य युवक घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल. रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित बीलखेड़ी तिराहा पर बुधवार दोपहर में एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार किशोरों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया था। वहां एक किशोर की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। रातीबड़ थाना पुलिस के अनुसार 14 वर्षीय विकास गौड पिता विश्राम गौड़ बिशनखेड़ी, रातीबड़ में रहता था। इसी गांव में रहने वाले राजा गौड (17) के साथ गांव से नीलबड़ जाने के लिए निकले थे। इस दौरान दोपहर करीब साढ़े तीन बजे के आसपास बीलखेड़ी तिराहा पर पहुंचे थे। तिराहा पर पहुंचते ही उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों को गंभीर चोट आई थी और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां शाम करीब पांच बजे विकास को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि राजा गौड का इलाज चल रहा है। राजा बयान देने की स्थिति में नहीं है।

मेट्रो एंकर | **इलाज के बहाने युवती से दोस्ती कर किया था दुष्कर्म**

हमीदिया के आरोपी डॉक्टर की 11 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इलाज के बहाने युवती से दोस्ती कर उसे बंधक बनाकर दुष्कर्म करने वाले हमीदिया अस्पताल के सर्जन दीपक नायक की 11 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि लालघाटी स्थित डॉक्टर के घर पर ताला लगा है। घटना के बाद से ही वह अपने पैतृक गांव उड़ीसा गया हुआ है। उसकी गाड़ियां घर के सामने पार्किंग में खड़ी हुई है। अब पुलिस आरोपी के ठिकाने पर पहुंचने की बजाय उसके खुद लौटने का इंतजार कर रही है।

पुलिस का कहना है कि उसके वाहनों और घर पर नजर रखी गई है। पुलिस तो दूर हमीदिया अस्पताल प्रबंधन ने भी डॉक्टर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। प्रबंधन का कहना है कि डॉक्टर जब तक अस्पताल पहुंचकर अपना पक्ष नहीं रखेंगे, तब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मूलरूप से छिंदवाड़ा निवासी 19 साल की लड़की करीब तीन माह पूर्व गले का ऑपरेशन कराने हमीदिया अस्पताल आई थी। हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर दीपक नायक ने युवती का परीक्षण किया था और वह ही उसका इलाज कर रहे थे। पहली बार युवती यहां से दवाएं लेकर छिंदवाड़ा लौट गई थी। उस दौरान डॉक्टर दीपक नायक ने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया था। लिहाजा वह इलाज के बहाने युवती से बात करने लगा। पिछले दिनों डॉक्टर ने टेस्ट के लिए युवती को भोपाल बुलाया। गले की जरूरी जांचें कराने के बाद युवती परिजनों के साथ घर लौट गई थी। 14 अक्टूबर को डॉक्टर दीपक नायक ने जांच रिपोर्ट दिखाने के बहाने युवती को भोपाल बुलाया और अगले दिन 15 अक्टूबर को गेलवएक्ट सोसायटी लालघाटी स्थित अपने घर में बधक बनाकर 14 दिन तक दुष्कर्म किया। किसी तरह पीड़िता डॉक्टर के चंगुल से मुक्त होकर महिला थाने प्रकरण दर्ज कराने पहुंची थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022